E PAPER

थिंक राजस्थान

सोच नई, राजस्थान के लिए

वर्ष: 01 | अंक: 31 | पृष्ठ: 8 | अंग्रेजी/हिन्दी (दैनिक) | जयपुर, शुक्रवार 14 अगस्त, 2026 | मूल्य: ₹10.00 | प्रभात | RNI NO. RJMUL/26/A4290

सुखबीर सिंह बादल पर हमले को लेकर बिक्रम मजीठिया ने पंजाब सरकार को घेरा, सीबीआई जांच की उठाई मांग

अमृतसर। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया ने नांदेड़ गुरुद्वारा में सुखबीर सिंह बादल पर हुए हमले की सीबीआई जांच की मांग की है। इसके साथ ही उन्होंने पंजाब की भगवंत मान सरकार को घेरते हुए कहा कि पहली बार हुए हमले की जांच में देरी की वजह से आज ये दूसरी बार हमला हुआ। बिक्रम मजीठिया ने सुखबीर सिंह बादल पर हुए हमले की आलोचना करते हुए कहा, 'परमात्मा ने सुखबीर सिंह बादल को बचाया। मैं इस पूरी घटना की आलोचना करता हूं। उनके बच्चे, पत्नी हरसिमरत कौर बादल और परिवार के रिश्तेदार गुरुसाहब के चरणों में नतमस्तक होने गए थे। परिवार और बच्चों के सामने गुरुद्वार में कोई ऐसी हरकत करे, यह बहुत ही निंदनीय है।' मामले में सीबीआई जांच की मांग और पंजाब पुलिस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, 'यह एक बड़ी इंटेलिजेंस विफलता है। नारायण सिंह चौरा का बैकग्राउंड चेक करो। पंजाब पुलिस की फाइल के अनुसार वह आईएसआई का एजेंट है। इसको क्रॉस बॉर्डर पाकिस्तान से ट्रेनिंग मिली है। इससे आरडीएक्स, एके-47 और पता नहीं क्या रिकवर हुआ। ऐसे आदमी को जेड प्लस सुरक्षा वाले इंसान के पास क्यों आने दिया गया? फाइल में ये भी लिखा है कि 30 साल से सुखबीर सिंह बादल और प्रकाश सिंह बादल इसके टारगेट पर हैं। ऐसे इंसान को पंजाब पुलिस गले क्यों लगा रही है?' पंजाब की भगवंत मान सरकार को घेरते हुए उन्होंने कहा कि पहली बार जब हमला हुआ तो मान सरकार ने जांच में देरी की।

बिक्रम मजीठिया ने कहा, 'आप अपने प्रदेश की जनता की रक्षा और सुरक्षा को इतने हल्के में नहीं ले सकते हैं। मैं सीएम देवेंद्र फडणवीस से अपील करूंगा कि मामले में सीबीआई की जांच बिठाए। इससे पहले वाली 2024 की घटना की जांच में भगवंत मान ने देर लगाई।' इसके साथ ही उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'गुरुद्वारा के अंदर सुखबीर सिंह बादल पर दूसरा जानलेवा हमला! डेढ़ साल में दूसरी बार। बहुत करीब से उनके दिल पर सीधा हमला। गुरु साहिब ने खुद उन्हें बचाने के लिए हाथ बढ़ाया। आज का हमलावर भी गुरुद्वारा पर हमला करने वालों की लिस्ट में शामिल हो गया है। यह सिर्फ एक हमला नहीं है, बल्कि यह पंजाब की नरमपंथी लीडरशिप को खत्म करने की एक बड़ी साजिश है। शिरोमणि अकाली दल के नेताओं को मरवाने का कॉन्ट्रैक्ट किसने लिया है? हम चुप नहीं रहेंगे। हर हमले का हिसाब लिया जाएगा। हर साजिश का पर्दाफाश किया जाएगा।' इस घटना के बाद अब सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ जांच की दिशा भी महत्वपूर्ण हो गई है। पुलिस और संबंधित एजेंसियों के सामने यह पता लगाने की चुनौती होगी कि हमलावर गुरुद्वारा परिसर में सुरक्षा घेरे तक कैसे पहुंचा और क्या उसने अकेले इस घटना को अंजाम दिया था। इसके अलावा हमलावर की पृष्ठभूमि, उसके संपर्कों और घटना के पीछे संभावित उद्देश्य की भी जांच की जाएगी। गुरुद्वारा जैसे संवेदनशील धार्मिक स्थल पर किसी राजनीतिक नेता पर हमला होने के कारण घटना का प्रभाव सुरक्षा और राजनीतिक दोनों स्तरों पर देखने को मिल रहा है। अकाली दल ने जहां इसे गंभीर सुरक्षा चूक बताया है, वहीं जांच एजेंसियों के सामने अब पूरे घटनाक्रम की तथ्यात्मक तस्वीर सामने लाने की जिम्मेदारी है।

नया कानून किसी खास संगठन के खिलाफ नहीं, सिर्फ सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा के लिए

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार ने सरकारी संपत्तियों के दुरुपयोग को रोकने के लिए नया कानून लाने का फैसला किया है। कैबिनेट ने 'कर्नाटक सरकारी परिसर और सार्वजनिक संपत्ति के उपयोग के नियमन से संबंधित विधेयक, 2026' को मंजूरी दे दी है। गृहमंत्री प्रियांक खड़गे ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। प्रियांक खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'कैबिनेट ने 'कर्नाटक सरकारी परिसर और सार्वजनिक संपत्ति के उपयोग के नियमन से संबंधित विधेयक, 2026' को मंजूरी दे दी है।' सरकार के मुताबिक इस विधेयक का उद्देश्य निजी व्यक्तियों, संगठनों, संघों और सोसायटियों द्वारा सरकारी परिसरों और सार्वजनिक संपत्ति के इस्तेमाल को नियंत्रित और संचालित करना है। विधेयक में सरकारी जमीन, इमारतों, खेल के मैदानों, पार्कों, सड़कों और अन्य सार्वजनिक संपत्तियों की सुरक्षा, संरक्षण और जिम्मेदारी से इस्तेमाल के लिए एक कानूनी ढांचा तैयार किया गया है, ताकि इनका गलत इस्तेमाल रोका जा सके और जनहित व भलाई के लिए इन्हें सुरक्षित रखा जा सके। इससे सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंच रहा था और आम लोगों को दिक्कत हो रही थी।

उत्तराखंड के चमोली में टनल में भरा पानी और मलबा: 28 मजदूर फंसे, 18 का हुआ रेस्क्यू

चमोली/देहरादून। उत्तराखंड के चमोली जिले के पीपलकोटी (मायापुर) में गुरुवार शाम एक बड़ा हादसा हो गया।

टीएचडीसी (THDC) की निर्माणाधीन 3 किलोमीटर लंबी जल विद्युत परियोजना की टनल में अचानक भू-स्खलन (लैंडस्लाइड) होने और तेजी से पानी रिसने के कारण मलबा भर गया। इस हादसे में टनल के अंदर काम कर रहे 28 मजदूर फंस गए।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, जिला प्रशासन, एनडीआरएफ (NDRF) और एसडीआरएफ (SDRF) की टीमों ने बड़े पैमाने पर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया: 18 मजदूर निकाले गए: बचाव दल ने अब तक 18 मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है।

5 गंभीर घायल: बाहर निकाले गए मजदूरों में से 5 की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें इलाज के लिए गोपेश्वर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एसपी चमोली सुरजीत सिंह पंवार के अनुसार 3 मजदूरों की स्थिति बेहद नाजुक है।

छत्तीसगढ़-झारखंड के हैं मजदूर: टनल में फंसे और निकाले गए सभी मजदूर मूल रूप से छत्तीसगढ़ और झारखंड के निवासी हैं। अधिकारियों के मुताबिक हादसा गुरुवार शाम करीब 7:00 बजे हुआ।

टनल में अत्यधिक पानी और मलबा भरने के कारण फंसे 10 शेष मजदूरों तक पहुंचना चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। जिलाधिकारी गौरव कुमार खुद बचाव अभियान की निगरानी कर रहे हैं।

सीजेपी संस्थापक के खिलाफ एफआईआर की मांग, विरोध-प्रदर्शन के दौरान लाठीचार्ज में नाबालिग को लगी चोट

इंदौर। इंदौर पुलिस को एक लिखित शिकायत मिली है। इसमें दिल्ली में नीट पेपर लीक के विरोध में प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पुलिस की लाठीचार्ज में घायल हुए एक नाबालिग से जुड़ी कथित घटना के सिलसिले में सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके और अन्य सदस्यों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है। एडिशनल डीसीपी राजेश डंडोत्या ने बताया कि पुलिस को फैजान अंसारी नाम के व्यक्ति से शिकायत मिली, जिन्होंने विरोध प्रदर्शन के सिलसिले में अपना बयान भी दर्ज कराया।

डंडोत्या ने गुरुवार को आईएएनएस को बताया, 'फैजान अंसारी नाम के एक व्यक्ति इस मामले में आए थे। उन्होंने एक शिकायत दर्ज कराई और विरोध प्रदर्शन के बारे में बयान दिया। उनके बयान के आधार पर एक अर्जी दी गई।' शिकायत के अनुसार, अंसारी ने आरोप लगाया है कि विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर दिल्ली पुलिस के लाठीचार्ज के दौरान एक 12 साल की लड़की के प्राइवेट पार्ट्स में चोट लग गई। उन्होंने दिपके और अन्य सदस्यों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है और 'प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंसेज' (पॉक्सो) एक्ट के प्रावधानों का जिक्र किया है। आईएएनएस से बात करते हुए अंसारी ने कहा, 'विरोध प्रदर्शन के दौरान नाबालिग, जिनमें लड़कियां भी शामिल थीं, मौजूद थे। 20 जुलाई को दिल्ली में विरोध प्रदर्शन हुआ, जिसे सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने आयोजित किया था।

वहां नाबालिग बच्चे भी मौजूद थे। लाठीचार्ज के दौरान, एक 12 साल की लड़की के प्राइवेट पार्ट्स में चोट लग गई। इस संबंध में, मैं पॉक्सो एक्ट का जिक्र करना चाहूंगा। यह एक भारतीय कानून है, जिसके तहत, कहीं कोई अपराध होता है, तो उसकी शिकायत कहीं भी दर्ज कराई जा सकती है।' यह शिकायत दिल्ली में हुए विरोध प्रदर्शन से जुड़ी है, जहां छात्र और समर्थक इकट्ठा हुए थे।

अंबाला में सिखों-किसानों और पुलिस के बीच तीखा टकराव: DSP का अंगूठा कटा, 7 पुलिसकर्मी ICU में भर्ती

अंबाला। हरियाणा के अंबाला में गुरुवार को सिख संगठनों और किसानों का प्रदर्शन उग्र हो गया। पंजाब के खालिस्तान-विरोधी नेता गुरसिमरन सिंह मंड पर 7 अगस्त को हुए हमले के मामले में गिरफ्तार अपने दो साथियों की रिहाई की मांग को लेकर प्रदर्शनकारियों ने दिल्ली-चंडीगढ़ नेशनल हाईवे जाम कर दिया था। देर शाम हाईवे खाली कराने पहुंची पुलिस टीम के साथ हुए भीषण टकराव में अंबाला के DSP वीरेंद्र का अंगूठा कट गया और 6-7 पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें आईसीयू (ICU) में भर्ती कराया गया है। 7 अगस्त को हुई थी मारपीट : पंजाब के 'इंटरनेशनल एंटी खालिस्तान टेरेरिस्ट फ्रंट' के अध्यक्ष गुरसिमरन सिंह मंड 7 अगस्त को अंबाला के पंजोखरा गुरुद्वारे पहुंचे थे। आरोप है कि वहां विवाद के बाद भीड़ और निहंगों ने उनकी पिटाई कर दी। पुलिस ने इस मामले में कलरहेड़ी गांव के दो युवकों को हिरासत में लिया था।

हाईवे पर बेरिकेड्स तोड़े : गुरुवार दोपहर 12 बजे पंजोखरा गुरुद्वारे में हुई बैठक के बाद सिखों और किसानों ने दोपहर 1 बजे दिल्ली-चंडीगढ़ नेशनल हाईवे की ओर कूच किया। पुलिस बेरिकेडिंग को तोड़कर प्रदर्शनकारियों ने हाईवे पर जाम लगा दिया।

रिहाई की मांग पर अड़े रहे : रात करीब 8:30 बजे पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों से वार्ता की। पुलिस ने गुरसिमरन सिंह मंड पर भी FIR दर्ज कर ली, लेकिन प्रदर्शनकारी हिरासत में लिए गए अपने दो साथियों की तुरंत रिहाई की मांग पर अड़े रहे।

रात 9 बजे जब स्थिति बेकाबू होने लगी तो पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले दागकर भीड़ को तितर-बितर किया और हाईवे पर यातायात बहाल कराया। हरियाणा के डीजीपी (DGP) अजय सिंघल ने रात करीब 10 बजे अंबाला के अस्पताल पहुंचकर घायल पुलिस अधिकारियों व जवानों का हाल-चाल जाना। फिलहाल क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात है और स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है। दोपहर करीब एक बजे प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की ओर से लगाए गए अवरोधक हटाकर दिल्ली-चंडीगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम लगा दिया। इसके बाद हाईवे पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात प्रभावित हुआ। प्रशासन की ओर से प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर रास्ता खुलवाने के प्रयास किए गए, लेकिन हिरासत में लिए गए युवकों की रिहाई की मांग को लेकर प्रदर्शनकारी पीछे हटने को तैयार नहीं हुए। इसी बीच पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच कई दौर की बातचीत हुई। रात करीब साढ़े आठ बजे अधिकारियों ने एक बार फिर प्रदर्शनकारियों से बातचीत की। इस दौरान पुलिस की ओर से गुरसिमरन सिंह मंड के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज किए जाने की जानकारी सामने आई, लेकिन प्रदर्शनकारी हिरासत में लिए गए दोनों युवकों को तत्काल रिहा करने की मांग पर कायम रहे। स्थिति बिगड़ने के बाद रात करीब नौ बजे पुलिस ने भीड़ को हटाने के लिए बल प्रयोग किया। पुलिस ने लाठीचार्ज के साथ आंसू गैस के गोले भी छोड़े।

राजस्थान कैबिनेट ने यूसीसी और वृक्ष संरक्षण विधेयक को दी मंजूरी

जयपुर। राजस्थान कैबिनेट ने गुरुवार को आगामी पंचायत और स्थानीय निकाय चुनावों के लिए आदर्श आचार संहिता लागू होने से पहले कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी। अहम फैसलों में यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) बिल और राजस्थान वृक्ष संरक्षण बिल को मंजूरी देना शामिल था। दोनों बिल 20 अगस्त से शुरू होने वाले राजस्थान विधानसभा के सत्र में पेश किए जाएंगे। कैबिनेट ने राज्य सरकार के कर्मचारियों और अधिकारियों के प्रमोशन के लिए जरूरी अनिवार्य सेवा अवधि में दो साल की छूट को भी मंजूरी दी। कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि सरकार का मकसद 'एक राज्य, एक कानून' के सिद्धांत को लागू करना है। कैबिनेट ने प्रस्तावित यूसीसी बिल को मंजूरी दी, जिसका मकसद शादी, तलाक, विरासत, गुजारा-भत्ता और लिव-इन रिलेशनशिप से जुड़े नियमों को एक ही कानूनी ढांचे के तहत लाना है। तलाक का रजिस्ट्रेशन भी जरूरी होगा।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी का एक्शन, पीएसआईईसी अधिकारियों के कई ठिकानों पर छापेमारी

चंडीगढ़। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के जालंधर जोनल ऑफिस ने चंडीगढ़ और पंजाब के अमृतसर, गुरदासपुर और लुधियाना में तलाशी अभियान चलाया है। इसके साथ ही ईडी द्वारा पंजाब स्मॉल इंडस्ट्रीज एंड एक्सपोर्ट कॉर्पोरेशन (पीएसआईईसी) के ऑफिस में भी सर्वे किया गया। यह कार्रवाई रिश्तेदारों, दोस्तों और अन्य सहयोगियों के नाम पर इंडस्ट्रियल प्लॉट अलॉट करने से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के सिलसिले में की गई है। तलाशी के दौरान ईडी को कई आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल डिवाइस बरामद और जब्त किए गए। ईडी ने विजिलेंस ब्यूरो द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की। जांच में पता चला कि औद्योगिक प्लॉट ऐसे लोगों को आवंटित किए गए थे, जिन्हें तकनीकी उद्योगों के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। प्लॉट का कब्जा भी तय समय के भीतर नहीं दिया गया और इसमें कई वर्षों की देरी हुई।

RSS की भी रक्षा करूंगा, क्योंकि... राहुल गांधी ने पार्टी मंच से क्यों कही ये बात?

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने गुरुवार को 'रचनात्मक कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन' को संबोधित करते हुए केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) को लेकर कई टिप्पणियां कीं। राहुल गांधी ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मुद्दा उठाते हुए कहा कि देश में हर व्यक्ति को अपनी बात खुलकर रखने का अधिकार होना चाहिए। राहुल गांधी ने कहा कि हमें अपने एक्सप्रेशन को दबाना नहीं है। उन्होंने RSS का जिक्र करते हुए कहा, "जिस दिन आरएसएस के एक्सप्रेशन को देश से खत्म करने की बात होगी, उस दिन मैं उनकी रक्षा करूंगा क्योंकि एक्सप्रेशन उनका भी है।" उन्होंने कहा कि जिसके मन में जो बात हो, उसे खुलकर बोलने की आजादी होनी चाहिए, लेकिन कोई किसी दूसरे व्यक्ति की आवाज को दबा नहीं सकता। राहुल गांधी ने कहा कि हिंदू, मुस्लिम, सिख, जैन समेत हर समुदाय के व्यक्ति को अपनी बात खुलकर कहने का अधिकार है।

उनके मुताबिक जब देश के लोगों का एक्सप्रेशन सामने आएगा, तभी भारत की ताकत पूरी दुनिया को दिखाई देगी। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार देश के लोगों की आवाज को दबाने की कोशिश कर रही है। राहुल गांधी ने RSS को लेकर कहा कि वह कभी छोटे-छोटे कारोबारियों की ताकत हुआ करता था। उन्होंने आरोप लगाया कि नोटबंदी और गलत GST लागू किए जाने से छोटे कारोबारियों को नुकसान हुआ। राहुल गांधी ने यह भी दावा किया कि RSS में कॉरपोरेट प्रभाव की शुरुआत प्रमोद महाजन के समय हुई और बाद में नरेंद्र मोदी के दौर में इसे आगे बढ़ाया गया। भारत-चीन सीमा विवाद को लेकर भी राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर हमला बोला।

उन्होंने आरोप लगाया कि चीन ने भारत को अपनी ही जमीन पर पेट्रोलिंग करने से रोका, लेकिन सरकार ने इस खबर को दबाने का प्रयास किया। उन्होंने गलवान घटना के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस बयान का भी जिक्र किया, जिसमें भारत की एक इंच जमीन पर किसी के कब्जे से इनकार किया गया था। राहुल गांधी ने दावा किया कि जब भारतीय सेना ने चीन के साथ बातचीत की तो चीन की तरफ से प्रधानमंत्री के बयान का हवाला दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने इस मुद्दे पर देश को गुमराह किया और इससे भारत का नुकसान हुआ।

विपक्ष ने केंद्र सरकार पर किया तीखा हमला, केंद्रीय मंत्री ने दिया जवाब, राहुल गांधी की भाषा पर क्या बोले?

नई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र गुरुवार (13 अगस्त) को खत्म हो गया है। इसके बाद विपक्ष ने केंद्र सरकार पर हमला किया है। इसके जवाब में केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने विपक्ष की रणनीति पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि पूरे सत्र के दौरान उसने अपना रुख बदला है, इसमें खासकर कांग्रेस का नाम लिया है। इसके साथ ही उन्होंने राहुल गांधी की भाषा पर भी टिप्पणी की है। इस सत्र के पहले 19 जुलाई को सर्वदलीय बैठक बुलाई गई थी। इसका जिक्र करते हुए मेघवाल ने कहा कि इसमें विपक्ष ने पहले नीट पेपर लीक का मुद्दा उठाया था और तत्काल इन घटनाओं पर रोक लगाने के लिए चर्चा की मांग की थी। उन्होंने कहा कि जैसे ही इस मुद्दे पर चर्चा शुरू हुई तो विपक्ष ने अपना रुख बदल लिया। उन्होंने आगे तर्क देते हुए कहा कि इस मामले में सिर्फ चर्चा तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए। उनका कहना है, 'किसी को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने ध्यान को दूसरी ओर मोड़ दिया। उनके बीच अंदरूनी कलह भी होने लगी। उदाहरण के लिए सपा राम मंदिर में चढ़ावे के संबंध में कथित अनियमितताओं पर चर्चा करना चाहती थी, जबकि कांग्रेस ने छात्रों के साथ दुर्व्यवहार के मुद्दे को प्राथमिकता दी।'

संपादकीय

दौसा सहायक-कलेक्टर पिंकी मीणा तीसरे दिन ही एपीओ

एजेंसी, थिंक राजस्थान

राजस्थान सरकार ने चर्चित RAS अफसर पिंकी मीणा को एपीओ कर दिया है। कार्मिक विभाग ने आदेश में उन्हें प्रशासनिक कारणों से एपीओ करने का दावा किया है। पिंकी मीणा का 11 अगस्त को प्रशासनिक सुधार विभाग, सवाई माधोपुर के सहायक निदेशक के पद से सहायक कलेक्टर, दौसा के पद पर तबादला किया गया था। पिंकी मीणा 2017 बैच की आरएएस अफसर हैं। साल 2021 में बांदीकुई SDO रहते हुए दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे हाईवे घूसकांड में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ACB) ने उन्हें एक अन्य आरएएस पुष्कर मित्तल के साथ गिरफ्तार किया था। इस कार्रवाई के बाद सरकार ने उन्हें तुरंत सस्पेंड कर दिया था। 15 जनवरी 2021 से लेकर 25 मई 2026 तक करीब साढ़े पांच साल सस्पेंड रहीं। बहाली के बाद 26 जून को उन्हें प्रशासनिक सुधार विभाग में सवाई माधोपुर के सहायक निदेशक के पद पर पोस्टिंग दी गई थी। इसके बाद 11 अगस्त को उनका तबादला सहायक कलेक्टर, दौसा के पद पर कर दिया गया। पिंकी मीणा की दौसा में सहायक कलेक्टर के पद पर पोस्टिंग के महज तीन दिन बाद ही एपीओ करने को लेकर प्रशासनिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। पहले उन्हें दौसा (जहां घूसकांड हुआ था) में ही पोस्टिंग देने को लेकर सवाल उठ रहे थे और अब अचानक एपीओ किए जाने के कारणों को लेकर भी तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं।

विधानसभा के आगामी सत्र में लाए जाएंगे द राजस्थान ट्रीज (प्रोटेक्शन) बिल और द राजस्थान यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में गुरुवार को आयोजित मंत्रिमंडल की बैठक में पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षों की अवैध कटाई को रोकने के लिए द राजस्थान ट्रीज (प्रोटेक्शन) बिल-2026, विवाह, विवाह विच्छेद, उत्तराधिकार, भरण-पोषण तथा लिव-इन रिलेशनशिप से जुड़े कानूनों को व्यवस्थित रूप देने के लिए राजस्थान यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल-2026 के प्रारूपों का अनुमोदन, ग्रामीण क्षेत्र में जलापूर्ति ढांचे को मजबूत बनाने के लिए संचालन एवं संधारण नीति लाने सहित सैनिक कल्याण एवं कार्मिक कल्याण से सम्बन्धित कई महत्वपूर्ण फैसले किए गए। प्रेसवार्ता में उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल और उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री के.के. विश्नोई ने मंत्रिमंडल के निर्णयों की जानकारी दी। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने बताया कि पर्यावरण एवं जैव विविधता के संरक्षण की दिशा में 'द राजस्थान ट्रीज (प्रोटेक्शन) बिल-2026' आगामी विधानसभा सत्र में प्रस्तुत किया जाएगा। कैबिनेट द्वारा इस महत्वपूर्ण विधेयक के प्रारूप का अनुमोदन किया गया है। इस विधेयक के अंतर्गत राज्य वृक्ष खेजड़ी, राज्य पुष्प रोहिड़ा, बरगद, पीपल, लसोड़ा, तेंदू, महुआ, कैर और चिरोंजी सहित कुल 29 महत्वपूर्ण वृक्ष प्रजातियों के संवर्धन एवं संरक्षण को विशेष बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि ग्रामीण एवं आदिवासी जनजीवन में इन वृक्षों के विशेष महत्व को देखते हुए विधेयक में गैर वन भूमि में खड़े वृक्षों की कटाई को नियंत्रित करने तथा जवाबदेही निर्धारित करने हेतु ऐसे अपराधों को संज्ञेय एवं जमानती बनाया गया है। दोष सिद्ध पाये जाने पर एक वर्ष का कारावास या एक लाख रुपये जुर्माने अथवा दोनों का प्रावधान किया गया है। कोई भी व्यक्ति अपनी स्वामित्व वाली या कब्जे वाली भूमि पर खड़े किसी भी वृक्ष को अधिकृत प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना नहीं काटेगा और न ही काटने का कारण बनेगा। यदि कोई व्यक्ति अधिकृत प्राधिकारी की अनुमति से किसी वृक्ष को काटता अथवा हटाता है तो प्रत्येक वृक्ष के स्थान पर उसी क्षेत्र में निर्धारित संख्या में वृक्षों का रोपण होगा। इन वृक्षों के प्रभावी संरक्षण से आदिवासी एवं मरुस्थलीय अंचल के निवासियों की आजीविका और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सीधा लाभ पहुंचेगा। संसदीय कार्य मंत्री ने बताया कि राज्य मंत्रिमंडल ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 44 की भावना के अनुरूप 'द राजस्थान यूनिफॉर्म सिविल कोड (समान नागरिक संहिता) विधेयक-2026' के प्रारूप का अनुमोदन किया है। इसे अब विधानसभा के आगामी सत्र में पेश किया जाएगा। इस विधेयक का मुख्य उद्देश्य राज्य में विवाह, विवाह विच्छेद (तलाक), उत्तराधिकार, भरण-पोषण तथा लिव-इन रिलेशनशिप से जुड़े कानूनों को एक समान, पारदर्शी और व्यवस्थित रूप देना है। इस विधेयक के प्रावधान अनुसूचित जनजातियों पर लागू नहीं होंगे। संविधान के तहत संरक्षित पारंपरिक अधिकारों वाले वर्गों को भी इससे बाहर रखा गया है। उन्होंने बताया कि उच्चतम न्यायालय की सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में गठित विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर यह प्रारूप तैयार किया गया है। इसके प्रावधानों के अनुसार विवाह पंजीकरण अनिवार्य एवं बहुविवाह निषेध किया गया है।

सभी धर्मों और समुदायों की अपनी-अपनी परंपराओं एवं रीतियों (जैसे- सप्तपदी, निकाह, आनंद कारज, होली यूनियन आदि) के अनुसार विवाह संपन्न कराने की पूर्ण स्वतंत्रता रहेगी।

कानून लागू होने के बाद संपन्न होने वाले सभी विवाहों का 60 दिनों के भीतर पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। लिव-इन संबंधों की शुरुआत तथा उनके समापन की लिखित सूचना या पंजीकरण का प्रावधान किया गया है, जिससे दोनों पक्षों के अधिकारों की सुरक्षा हो सकेगी।

राजस्थान में 600-डॉक्टर्स की भर्ती के 14 सितंबर से आवेदन

एजेंसी, थिंक राजस्थान

राजस्थान में मेडिकल हेल्थ सेक्टर में डॉक्टर्स के पदों पर भर्ती के लिए अगले महीने आवेदन भरे जाएंगे। ये भर्ती राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ एंड साइंसेज (RUHS) यूनिवर्सिटी के जरिए होगी। इस भर्ती के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थी के लिए राजस्थान मेडिकल काउंसिल (RMC) में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है। मेडिकल हेल्थ डिपार्टमेंट की प्रिंसिपल सेक्रेट्री गायत्री राठौड़ ने बताया- भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन 14 सितंबर से भरने शुरू होंगे और आवेदन की आखिरी तारीख 13 अक्टूबर होगी। ये भर्ती 600 मेडिकल ऑफिसर पदों के लिए होगी। आवेदन करने के लिए अभ्यर्थी के पास MBBS की डिग्री होना जरूरी है। गायत्री राठौड़ ने बताया- यह भर्ती रिटन (लिखित) एग्जाम के जरिए होगी। एग्जाम की तारीख तक अभ्यर्थी का RMC में रजिस्ट्रेशन होना अनिवार्य है। अगर रजिस्ट्रेशन नहीं हुआ तो वह भर्ती के लिए योग्य नहीं होगा।

विभागीय अधिकारियों को दौरे, निरीक्षण और रात्रि विश्राम लक्ष्य शत-प्रतिशत पूरा करने के निर्देश

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। माध्यमिक शिक्षा निदेशक बीकानेर ने विभागीय अधिकारियों को दौरे, निरीक्षण एवं रात्रि विश्राम संबंधी निर्धारित मासिक लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं। इस संबंध में जारी आदेश में कहा गया है कि प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय विभाग तथा शिक्षा विभाग द्वारा समय-समय पर निर्धारित लक्ष्यों की समीक्षा में अधिकांश अधिकारियों द्वारा अपेक्षित प्रगति नहीं पाई गई है। आदेश के अनुसार जिन अधिकारियों को निरीक्षण, दौरे एवं रात्रि विश्राम के लक्ष्य आवंटित किए गए हैं, उन्हें निरीक्षण के बाद अपनी रिपोर्ट स्वयं राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर अपलोड करनी होगी। जिन अधिकारियों ने अब तक अपनी आईडी और जिला स्तरीय मैपिंग सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग कार्यालय में नहीं करवाई है, उन्हें तत्काल यह प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि प्रत्येक अधिकारी को निरीक्षण, दौरे एवं रात्रि विश्राम की संपूर्ण जानकारी निर्धारित प्रपत्र में भरकर राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर अपलोड करनी होगी। निरीक्षण एवं रात्रि विश्राम संबंधित अधिकारी के क्षेत्राधिकार वाले कार्यालयों और संस्थानों में किए जाएंगे तथा शनिवार को प्राथमिकता से दौरे शामिल किए जाएंगे।

संभागीय संयुक्त निदेशकों को अपने अधीनस्थ कार्यालयों में निरीक्षण एवं रात्रि विश्राम की प्रगति की मॉनिटरिंग और मासिक समीक्षा बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। संकलित प्रगति रिपोर्ट प्रत्येक माह के प्रथम सप्ताह में निदेशालय की ई-मेल आईडी पर भेजना अनिवार्य किया गया है। दौरे, निरीक्षण एवं रात्रि विश्राम की विभागीय समीक्षा के लिए अतिरिक्त निदेशक, माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। निदेशक ने सभी अधिकारियों को शासन एवं विभाग स्तर पर जारी निर्देशों की अक्षरशः पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

शीर्ष सहकारी बैंक के प्रधान कार्यालय में कॉल सेंटर का शुभारम्भ

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। प्रदेश के सहकारिता राज्य मंत्री गौतम कुमार दक ने अपेक्स बैंक परिसर में कॉल सेंटर का उद्घाटन किया। उन्होंने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक एवं नाबार्ड द्वारा सभी सहकारी बैंकों से यह अपेक्षा की गयी है कि वह ग्राहकों की शिकायतों के निवारण के लिए एक टोल फ्री इनकमिंग दूरभाष के माध्यम से एक कॉल सेंटर स्थापित करें। दक ने बताया कि राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना, फसली ऋण योजना, राज सहकार व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना में आ रही कठिनाइयों के निवारण हेतु सहकारिता विभाग द्वारा अभिनव पहल प्रारंभ की गई है। इसमें समस्त कृषक, पशुपालक उक्त योजनाओं के लाभ प्राप्त करने हेतु आने वाली समस्याओं का कॉल सेंटर पर फोन कर निराकरण करवा सकते हैं। इस अवसर पर प्रबंध निदेशक, अपेक्स बैंक रणजीत सिंह चूंडावत, अतिरिक्त रजिस्ट्रार (बैंकिंग) बलविन्दर सिंह गिल, प्रबंध निदेशक सीसीबी जयपुर ओमप्रकाश जैन एवं बैंक के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय पीएम ई विद्या कंटेंट निर्माण प्रशिक्षण 17 से 21 अगस्त तक अजमेर में

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद उदयपुर ने राज्य स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित करने के आदेश जारी किए हैं। यह प्रशिक्षण राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (NCERT), नई दिल्ली के केंद्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (CIET) के सहयोग से 17 से 21 अगस्त 2026 तक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (RIE), अजमेर में आयोजित होगा। आदेशानुसार चयनित संभागियों को 17 अगस्त को प्रातः 9 बजे RIE अजमेर के कक्ष संख्या 67 में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। प्रतिभागियों के लिए आवास एवं भोजन की व्यवस्था अम्बेडकर छात्रावास में की गई है तथा उन्हें यथासंभव अपना लैपटॉप साथ लाने को कहा गया है। इस संबंध में संभागियों की सूची तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम भी जारी किया गया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत चयनित संभागियों को निर्धारित तिथियों में समय पर उपस्थित होकर प्रशिक्षण में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करनी होगी। प्रशिक्षण का आयोजन शैक्षिक प्रौद्योगिकी से जुड़े विषयों पर केंद्रित रहेगा, जिससे शिक्षकों एवं शिक्षा विभाग से जुड़े कार्मिकों को आधुनिक तकनीकों के प्रभावी उपयोग की जानकारी मिल सकेगी। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को डिजिटल संसाधनों, तकनीकी उपकरणों तथा शिक्षण प्रक्रिया में प्रौद्योगिकी के समुचित उपयोग से संबंधित विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया जाएगा। इसका उद्देश्य विद्यालयी शिक्षा को अधिक प्रभावी, रोचक और विद्यार्थियों की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने के लिए शिक्षकों की तकनीकी दक्षता को मजबूत करना है। राज्य स्तरीय प्रशिक्षण में विशेषज्ञों की ओर से व्यावहारिक सत्र भी आयोजित किए जाएंगे। इन सत्रों में प्रतिभागियों को केवल सैद्धांतिक जानकारी देने के बजाय तकनीकी संसाधनों के प्रयोग का प्रत्यक्ष अभ्यास कराया जाएगा। प्रतिभागियों को दिए गए कार्यों और गतिविधियों के माध्यम से प्रशिक्षण में सीखी गई जानकारी को व्यवहार में लागू करने का अवसर भी मिलेगा। प्रशिक्षण में व्यक्तिगत कंप्यूटर साथ लाने के निर्देश का उद्देश्य भी प्रतिभागियों को व्यावहारिक गतिविधियों में अधिक प्रभावी ढंग से शामिल करना है। इससे वे प्रशिक्षण के दौरान तैयार की जाने वाली सामग्री, डिजिटल गतिविधियों और अन्य अभ्यास कार्यों को स्वयं पूरा कर सकेंगे। राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद की ओर से प्रशिक्षण में शामिल होने वाले सभी संभागियों को जारी कार्यक्रम और निर्देशों के अनुसार आवश्यक तैयारियां पूरी करने के लिए कहा गया है। संबंधित अधिकारियों को भी यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि चयनित प्रतिभागी निर्धारित समय पर प्रशिक्षण स्थल पर पहुंचें और पूरे प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लें। आवास एवं भोजन की व्यवस्था अम्बेडकर छात्रावास में किए जाने से बाहर से आने वाले प्रतिभागियों को प्रशिक्षण अवधि के दौरान सुविधा मिल सकेगी। पांच दिवसीय इस प्रशिक्षण में विभिन्न सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों की जानकारी और कौशल को विकसित करने पर जोर रहेगा।

कक्षा 3 से 8 के विद्यार्थियों का हिन्दी ओआरएफ बेसलाइन आकलन अब 18 अगस्त तक

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। शिक्षा विभाग ने 'मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान' के अंतर्गत कक्षा 3 से 8 के विद्यार्थियों के हिन्दी विषय में मौखिक पठन प्रवाह के बेसलाइन आकलन की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। अब यह आकलन 18 अगस्त 2026 तक किया जा सकेगा। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, शैक्षिक सत्र 2026-27 की अकादमिक कार्ययोजना के तहत विद्यार्थियों की पठन दक्षता का आकलन किया जा रहा है। यह प्रक्रिया शालादर्पण शिक्षक ऐप के माध्यम से संचालित की जा रही है, जिससे शिक्षकों को प्रत्येक विद्यार्थी की पठन क्षमता संबंधी विस्तृत जानकारी प्राप्त हो सके। पूर्व में यह आकलन 12 अगस्त 2026 तक पूर्ण किया जाना निर्धारित था, जिसे अब छह दिन बढ़ाकर 18 अगस्त 2026 कर दिया गया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि तिथि विस्तार के अलावा पूर्व में जारी सभी निर्देश एवं शर्तें यथावत लागू रहेंगी।

वीर दुर्गादासः चरित्र निर्माण का संकल्पः वीर दुर्गादास जयंतीः चरित्र निर्माण का संकल्प लिया गया

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राष्ट्रनायक वीर दुर्गादास राठौड़ की 388वीं जयंती के अवसर पर श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यालय, संघशक्ति में एक प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्री प्रताप युवा शक्ति के बैनर तले आयोजित इस कार्यक्रम में वीर दुर्गादास के जीवन से प्रेरणा लेकर चरित्र निर्माण का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक गणेश वंदना के साथ हुआ, जिसने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इस अवसर पर श्री क्षत्रिय युवक संघ से जुड़े कई सदस्य और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे, जिन्होंने राष्ट्रनायक को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का एक मुख्य आकर्षण पूज्य तन सिंह जी द्वारा वीर दुर्गादास राठौड़ के जीवन पर लिखे गए भावप्रधान आलेख 'शिप्रा के तीर' का वाचन था। इस आलेख का वाचन संघशक्ति एवं पथ प्रेरक के संपादक राजेंद्र सिंह जी बोबासर ने किया। उन्होंने अपने वाचन के माध्यम से वीर दुर्गादास के जीवन के विभिन्न प्रसंगों को अत्यंत जीवंत और भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया, जिससे श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए। 'शिप्रा के तीर' आलेख में वीर दुर्गादास के उस महान जीवन-संघर्ष का चित्रण है, जिसमें उन्होंने अपनी स्वामिभक्ति की लाज रखते हुए मुगल शासक औरंगजेब के विरुद्ध जीवनभर संघर्ष किया। उन्होंने मारवाड़ की धरोहर, महाराजा अजीत सिंह के संरक्षण का पवित्र दायित्व भी निभाया। उनका जीवन त्याग और कर्तव्यनिष्ठा का प्रतीक है। आलेख में उनके जीवन के उन प्रसंगों का भी उल्लेख है, जहां विपरीत परिस्थितियों में उन्हें भाले की नोंक पर रोटियां सेंककर खानी पड़ीं। इसके बावजूद, उन्होंने शत्रु के परिवार के प्रति भी आर्य चरित्र और मानवीयता का परिचय दिया। ये प्रसंग उनके त्याग, संयम और कर्तव्यबोध की महान ऊंचाई को दर्शाते हैं। संघप्रमुख श्री ने कहा कि वीर दुर्गादास को राष्ट्रनायक इसलिए कहा जाता है क्योंकि उन्होंने जीवनभर अपने कर्तव्य से मुंह नहीं मोड़ा। समाज को एक करने, निरंतर संघर्ष करने और सम्पूर्ण जीवन को राष्ट्र एवं समाज के लिए समर्पित करने का उनका आदर्श आज भी प्रेरणा देता है। उन्होंने विशेष रूप से औरंगजेब के विद्रोही पुत्र अकबर और उसके बच्चों को संरक्षण देने के प्रसंग का उल्लेख किया। यह उनके चरित्र में विद्यमान उदारता, समानता और ईश्वरीय भाव का सबसे बड़ा उदाहरण है। यही सच्चा क्षात्र धर्म है, जो शत्रु के प्रति भी मानवीयता का व्यवहार सिखाता है। उन्होंने कहा कि आज के समय में हमारे जीवन से धैर्य कम हो रहा है। ऐसे में दुर्गादास जी का जीवन हमें विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्यपूर्वक अपने दायित्व पर अडिग रहने की प्रेरणा देता है। हमें उनके जीवन से केवल गौरव की अनुभूति नहीं करनी है, बल्कि उनके गुणों को अपने जीवन में उतारना है।

स्कूल में पेटीज खाने के बाद 12वीं के छात्र की मौत, परिजनों ने लगाया लापरवाही का आरोप

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजधानी जयपुर के झोटवाड़ा क्षेत्र में महाराणा प्रताप स्कूल में 12वीं कक्षा के 17 वर्षीय छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। बुधवार को लंच टाइम के दौरान तबीयत बिगड़ने के बाद छात्र बेहोश हो गया था। परिजनों ने स्कूल प्रशासन पर समय पर इलाज नहीं कराने और लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। झोटवाड़ा थाना पुलिस के ASI नरेंद्र कुमार के अनुसार, मृतक की पहचान बृजमंडल कॉलोनी निवासी *प्रिंस सोनी (17)* के रूप में हुई है। प्रिंस अपने माता-पिता और बड़ी बहन के साथ रहता था। प्रिंस के चाचा अनुराग सोनी ने आरोप लगाया कि बुधवार सुबह करीब 11 बजे लंच टाइम में प्रिंस ने स्कूल कैंटीन से पेटीज खरीदकर खाई थी। इसके बाद पेटीज गले में अटकने से उसकी तबीयत बिगड़ गई। आरोप है कि स्कूल में मौजूद स्टाफ ने तत्काल अस्पताल ले जाने के बजाय उसे बेंच पर लिटा दिया और परिजनों को फोन कर स्कूल आने के लिए कहा। परिजनों का कहना है कि स्कूल से करीब 100 मीटर की दूरी पर अस्पताल होने के बावजूद छात्र को तत्काल अस्पताल नहीं पहुंचाया गया। स्कूल प्रशासन की ओर से प्राथमिक उपचार उपलब्ध नहीं कराने का भी आरोप लगाया गया है। प्रिंस के क्लासमेट ने बताया कि पेटीज खाने के बाद प्रिंस पानी पीने के लिए भागा और इसके बाद वह बेहोश हो गया। छात्र के अनुसार, प्रिंस को काफी देर तक स्कूल में ही बैठाकर रखा गया। इस दौरान उसके मुंह से झाग निकलने और होंठ नीले पड़ने की बात भी सामने आई। क्लासमेट का आरोप है कि स्कूल में मौजूद अन्य स्टाफ को भी समय पर नहीं बुलाया गया और छात्रों को प्रिंस से मिलने नहीं दिया गया। करीब डेढ़ घंटे बाद छात्रों को उसके बैग को अस्पताल पहुंचाने के लिए कहा गया। सूचना के बाद झोटवाड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कांवटिया अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया। पुलिस ने गुरुवार सुबह पोस्टमॉर्टम करवाने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सड़क सुरक्षा अभियान : डीएलएसए सचिव ने स्लीपर बसों का किया पुनः औचक निरीक्षण, मानक उल्लंघन करने पर बसों पर लगाया जुर्माना

एजेंसी, थिंक राजस्थान

चूरू। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष सोनिका पुरोहित के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव कृष्णा राकेश कांवत ने 12 अगस्त को चूरू जिला मुख्यालय पर स्लीपर बसों का औचक निरीक्षण किया। सचिव ने बताया कि मोटर वाहन अधिनियम 1988, एआईएस-119 मानकों एवं राज्य सरकार के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन कर अनधिकृत संरचनात्मक संशोधनों के साथ संचालित हो रही स्लीपर बसों से बार-बार हो रही सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए निरीक्षण किया जा रहा है। अनधिकृत संशोधन सड़क सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न करते हैं और मानव जीवन की हानि का कारण बनते हैं। इस दौरान बसों की एआईएस-119 मानकों के अनुपालन की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बस संचालकों को निर्देश दिए कि यात्रियों की सुरक्षा से जुड़े सभी प्रावधानों की सख्ती से पालना सुनिश्चित की जाए। विशेष रूप से बसों में आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए उपलब्ध व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने पर जोर दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए बस की संरचना, निकास व्यवस्था और अन्य सुरक्षा उपायों में किसी भी प्रकार की लापरवाही गंभीर परिणाम दे सकती है। इस दौरान बसों में यात्रियों की सुविधा के लिए किए गए बदलावों की भी जानकारी ली गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सुविधा बढ़ाने के नाम पर वाहन के मूल स्वरूप और निर्धारित सुरक्षा मानकों से छेड़छाड़ नहीं की जा सकती। यदि किसी बस में नियमों के विपरीत संरचनात्मक बदलाव पाए जाते हैं, तो संबंधित संचालक के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है। सचिव कृष्णा राकेश कांवत ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि को रोकने के लिए सभी संबंधित विभागों और वाहन संचालकों को मिलकर काम करना होगा। केवल दुर्घटना के बाद राहत एवं बचाव कार्य करने के बजाय दुर्घटना की संभावनाओं को पहले ही कम करना अधिक जरूरी है। इसके लिए वाहनों की नियमित जांच, चालकों की जिम्मेदारी और सुरक्षा नियमों की पालना पर विशेष ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि स्लीपर बसों में सफर करने वाले यात्रियों को भी अपने अधिकारों और सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं के प्रति जागरूक रहना चाहिए। यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असामान्य स्थिति सामने आने पर चालक या परिचालक को तत्काल सूचित किया जाना चाहिए। साथ ही यात्रियों को आपातकालीन निकास और उपलब्ध सुरक्षा साधनों की जानकारी रखना भी उपयोगी हो सकता है। सड़क सुरक्षा को लेकर किए जा रहे ऐसे निरीक्षणों का उद्देश्य केवल नियमों का उल्लंघन पकड़ना नहीं, बल्कि परिवहन व्यवस्था में सुरक्षा की संस्कृति विकसित करना भी है।

राजस्थान/ प्रादेशिक

एसडीआरएफ गाडोता में गरिमामय सम्मान समारोह : एडीजी रूपिन्दर सिंघ ने 29 अधिकारियों व जवानों को दिए पदक

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राज्य आपदा प्रतिसाद बल (एसडीआरएफ) राजस्थान के गाडोता स्थित बटालियन मुख्यालय में एक गरिमामय सम्मान एवं विदाई समारोह का आयोजन किया गया। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस रूपिन्दर सिंघ द्वारा बल के अधिकारियों और कार्मिकों को उनकी समर्पित, उत्कृष्ट एवं सराहनीय सेवाओं के लिए विभिन्न सेवा अलंकरणों व सम्मान चिह्नों से सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान आपदा प्रबंधन, रेस्क्यू ऑपरेशन और राहत कार्यों में उत्कृष्ट भूमिका निभाने वाले जवानों को पदक व डिस्क प्रदान की गई। जिसमे मुख्यमंत्री सराहनीय सेवा पदक से 1, डीजीपी डिस्क-2025 से 9, डीजीपी डिस्क-2026 से 15, सर्वोत्तम सेवा चिन्ह से 3 और अति उत्तम सेवा चिन्ह से 1 अधिकारी एवं जवान सहित कुल 29 कार्मिकों को सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में एडीजी रूपिन्दर सिंह ने सम्मानित जवानों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे सम्मान कार्मिकों की मेहनत का प्रतिफल हैं और अन्य जवानों के लिए प्रेरणा स्रोत बनते हैं। उन्होंने आपातकालीन परिस्थितियों में जवानों द्वारा दिखाए गए साहस, तत्परता और मानवीय संवेदनाओं की सराहना की। कार्यक्रम के दूसरे चरण में एसडीआरएफ के पूर्व कमाण्डेन्ट एवं वर्तमान में पुलिस अधीक्षक (सुरक्षा) पुलिस मुख्यालय श्री राजेन्द्र सिंह सिसोदिया को भावपूर्ण विदाई दी गई। बटालियन परिवार द्वारा एसडीआरएफ के संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण और आपदा प्रबंधन में उनके नेतृत्व की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया गया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। समारोह में अधिकारियों और जवानों ने आपदा परिस्थितियों में किए गए राहत एवं बचाव कार्यों के अनुभव भी साझा किए। वक्ताओं ने कहा कि प्राकृतिक आपदा, सड़क दुर्घटना, बाढ़, भवन ढहने अथवा अन्य आपात परिस्थितियों में राहत एवं बचाव दल की भूमिका बेहद चुनौतीपूर्ण होती है। ऐसे समय में सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बीच लोगों तक तत्काल पहुंचकर उन्हें सुरक्षित बाहर निकालना जवानों की जिम्मेदारी होती है। एसडीआरएफ के कार्मिकों की ओर से विभिन्न अवसरों पर चलाए गए बचाव अभियानों में तत्परता और समन्वय का विशेष महत्व रहा है। जवानों ने कई कठिन परिस्थितियों में जोखिम उठाकर प्रभावित लोगों तक पहुंच बनाई और राहत कार्यों को गति दी।

बहरोड़ में पंचायतीराज शिक्षक संघ की बैठक आयोजित: शिक्षक समस्याओं और आगामी रणनीति पर हुआ मंथन

एजेंसी, थिंक राजस्थान

कोटपूतली-बहरोड़। बहरोड़ पंचायत समिति परिसर में बुधवार को 'राजस्थान पंचायतीराज एवं माध्यमिक शिक्षक संघ' के प्रदेश अध्यक्ष शेरसिंह चौहान के मुख्य आतिथ्य में एक दिवसीय दौरा व समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बहरोड़ पहुंचने पर जिला अध्यक्ष जयदर्थ यादव के नेतृत्व में जिलेभर से आए संगठन पदाधिकारियों, ब्लॉक अध्यक्षों एवं शिक्षकों ने प्रदेश अध्यक्ष का गर्मजोशी से स्वागत व सम्मान किया। स्वागत के उपरांत पंचायत समिति सभागार में संगठन की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता भाजपा नेता बस्तीराम यादव ने की। शिक्षक समस्याओं पर मंथनः बैठक में वर्तमान समय में शिक्षकों के समक्ष आ रही प्रशासनिक व व्यावहारिक समस्याओं, उनके समाधान तथा शिक्षक हितों के संरक्षण पर विस्तृत चर्चा की गई। संगठन की मजबूती पर बलः प्रदेश अध्यक्ष शेरसिंह चौहान ने पदाधिकारियों से सीधा संवाद करते हुए संगठन के ढांचागत विस्तार और समस्याओं को प्रशासनिक स्तर पर प्रभावी ढंग से उठाने को लेकर अपने विचार साझा किए।

राज्यपाल ने किया नज़र फोटो एग्जीबिशन का पोस्टर विमोचन

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान फोटो फेस्टिवल के तहत जयपुर में जवाहर कला केंद्र की सहभागिता में नजर फोटो और पेंटिंग एग्जिबिशन का पांचवां - सीजन वर्ल्ड फोटोग्राफी डे पर 21,22,23 अगस्त तक 3 दिवसीय आयोजन जवाहर कला केंद्र में किया जा रहा है। यह जयपुर का सबसे बड़ा - फोटोग्राफी का महाकुंभ होगा, जिसमें पेंटिंग भी प्रदर्शित होगी। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने नज़र फोटो एग्जीबिशन का पोस्टर विमोचन किया विमोचन में नज़र फोटो एग्जीबिशन की फाउंडर एंड डायरेक्टर रेणुका कुमावत के साथ कोर कमेटी के सदस्य संजय कुमावत,मनोज श्रेष्ठ,राघव गोयल,विनीत जैन,मोहित टेलर,हनी जांगिड़ भी शामिल रही। इसमें राजस्थान के जाने-माने हस्तियां भी सम्मिलित होगी।

ब्रिक्स देशों की अर्थव्यवस्थाएं वैश्विक अर्थव्यवस्था के विकास के प्रमुख इंजन

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। केन्द्रीय वित्त तथा कॉरपोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमन ने जयपुर में आयोजित ब्रिक्स के सदस्य देशों के वित्त मंत्रियों एवं केन्द्रीय बैंक के गवर्नरों (एफएमसीबीजी) की बैठक के दौरान बुधवार को "द रोल ऑफ द न्यू डेवलपमेंट बैंक इन मोबिलाइजिंग प्राइवेट CAPITAL इन मेंबर कंट्रीज" विषय पर आयोजित सेमिनार में मुख्य भाषण दिया। कार्यक्रम में डिल्मा रूसेफ ने विशेष संबोधन दिया।

इस सेमिनार में आर्थिक कार्य विभाग (डीईए) की सचिव अनुराधा ठाकुर और फिक्की के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट विजय शंकर भी शामिल हुए। केन्द्रीय वित्त मंत्री ने निवेश के जोखिम को कम करने, परियोजनाओं को बैंक के लिए आकर्षक बनाने और निवेशकों का भरोसा बढ़ाने में बहुपक्षीय विकास बैंकों की अहम भूमिका पर जोर दिया ताकि बड़े पैमाने पर निजी पूंजी जुटाई जा सके।

रूपवास में 100 मीटर लंबे तिरंगे के साथ निकली भव्य तिरंगा रैली

एजेंसी, थिंक राजस्थान

रूपवास (भरतपुर)। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में गुरुवार को रूपवास कस्बे में देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम का जोश देखने को मिला। स्वतंत्रता सेनानी श्री रामचरन गोयल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय से तहसील कार्यालय तक 100 मीटर लंबे तिरंगे के साथ भव्य तिरंगा रैली निकाली गई।

रैली के दौरान पूरा कस्बा देशभक्ति के नारों और भारत माता के जयकारों से गूंज उठा। तिरंगा रैली का नेतृत्व भाजपा के पूर्व प्रदेश मंत्री भानुप्रताप सिंह राजावत, तहसीलदार बृजेश कुमार, सीबीईओ चन्द्रभान मीणा, नगरपालिका अधिशासी अधिकारी सुरेश कुमार वर्मा तथा भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष चन्द्रमोहन शर्मा ने किया। रैली में प्रशासनिक अधिकारियों, नगरपालिका कर्मचारियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों, भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं सहित बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यालय परिसर से शुरू हुई रैली में विद्यार्थी और अन्य प्रतिभागी हाथों में तिरंगे लेकर शामिल हुए।

नगर निकाय और पंचायत चुनावों में कांग्रेस देगी निष्ठावान कार्यकर्ताओं को टिकट

एजेंसी, थिंक राजस्थान

भरतपुर। जिला कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग की कोर कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक जिला कांग्रेस कार्यालय पर आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विभाग के जिलाध्यक्ष शहीद खान ने की, जबकि संभाग प्रभारी मोहम्मद असलम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं जिला प्रभारी मोहम्मद निजामुद्दीन, सह प्रभारी परवेश पठान, धौलपुर जिलाध्यक्ष शबनम खान और ब्लॉक अध्यक्ष दयाचंद पचौरी ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की।

कांग्रेस संगठन महासचिव योगेश सिंघल ने बताया कि बैठक की शुरुआत में नवनियुक्त जिलाध्यक्ष शहीद खान ने सभी अतिथियों का साफा बांधकर, माला पहनाकर और शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि मोहम्मद असलम ने कहा कि कांग्रेस संगठन में अल्पसंख्यक विभाग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगामी निकाय और पंचायती राज चुनावों में सही, निष्ठावान और जिताऊ कार्यकर्ताओं के चयन पर जोर दिया।

जिला प्रभारी मोहम्मद निजामुद्दीन ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष एम डी चोपदार और पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा की स्पष्ट सोच है कि आगामी चुनावों में केवल सक्रिय और वफादार कार्यकर्ताओं को ही मैदान में उतारा जाएगा। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक बाहुल्य क्षेत्रों में विभाग के समर्पित कार्यकर्ताओं को अधिक से अधिक टिकट दिलाने का प्रयास किया जाएगा। सह प्रभारी परवेश पठान, शबनम खान और दयाचंद पचौरी ने भी संगठन की मजबूती और एकजुटता पर बल दिया।

विमुक्त, घुमन्तू एवं अर्द्धघुमन्तू परिवारों को आवास-फ्लेट्स आवंटन समारोह, मुख्यमंत्री ने सौंपे आवंटन पत्र

एजेंसी, थिंक राजस्थान

जयपर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार वंचित वर्गों के प्रति संवेदनशीलता के साथ दायित्वों का निर्वहन करते हुए उनके आर्थिक और सामाजिक सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। विमुक्त, घुमन्तू एवं अर्द्धघुमन्तू परिवार, जो समाज की आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं उनके आवास, शिक्षा सहित बुनियादी जरूरतों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है ताकि वे विकास की मुख्यधारा से जुड़ सकें। मुख्यमंत्री गुरुवार को कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में विमुक्त, घुमन्तू एवं अर्द्धघुमन्तू परिवारों को आवास-फ्लेट्स आवंटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के संकल्प को साकार करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जरूरतमदों एवं वंचितों को संबल प्रदान कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने सामाजिक न्याय एवं समावेशी विकास के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जिससे अंतिम पायदान के व्यक्ति तक राहत पहुंच रही है। उन्होंने विमुक्त, घुमन्तू एवं अर्द्धघुमन्तू परिवारों से आह्वान किया कि वे अपने बच्चों और युवाओं को पढ़ाएं, योग्य बनाएं और राष्ट्र निर्माण में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें। साथ ही, उन्होंने आमजन से जरूरतमदों एवं पात्र परिवारों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए तत्परता से कार्य करने की अपील की ताकि उनके जीवन में ज्योति फैल सके। मुख्यमंत्री ने चिन्हित लाभार्थियों को प्रतीकात्मक रूप से आवंटन पत्र और चाबी सौंपते हुए कहा कि जयपुर में 473 परिवारों को आवास दिए गए हैं। जयसिंहपुरा खोर की आवासीय योजना में लाभार्थियों को एक बेडरूम-हॉल-किचन युक्त आवास मिला है। वहीं, कोटा में 50

फ्लैट और जोधपुर में 80 भूखंड आवंटन के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि पक्के घर का आवंटन पत्र लाभार्थी परिवारों के सम्मान, सुरक्षा, स्थायित्व और बेहतर भविष्य का अधिकार-पत्र है। राज्य सरकार हर जिले में आवश्यकता का आकलन कर पात्र परिवारों को आवास उपलब्ध कराने की सूची में जोड़ रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने शहरी क्षेत्र में घुमन्तू, अर्द्धघुमन्तू, गाड़िया लोहार एवं कालबेलिया समुदाय के परिवारों को अब तक 838 भूखंड एवं 106 फ्लैट आवंटित किए हैं।

कुम्हार धर्मशाला में जागरण, भजन संध्या एवं प्रतिभा सम्मान समारोह

एजेंसी, थिंक राजस्थान

खाजूवाला। कुम्हार धर्मशाला प्रांगण स्थित श्री शिव पार्वती नंदीश्वर धाम में मंगलवार रात्रि को विशाल जागरण, भजन संध्या एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में खाजूवाला विधायक डॉ. विश्वनाथ मेघवाल एवं भाजपा नेता रविशेखर मेघवाल मुख्य अतिथि रहे, जबकि राजस्थान सरकार के राज्य मंत्री प्रहलाद राय टाक ने समारोह की अध्यक्षता की तथा विशिष्ट अतिथि एडवोकेट अशोक प्रजापत, चंपालाल गेदर रहे ,कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी तथा कुम्हार समाज के वरिष्ठजन एवं बड़ी संख्या में समाजबंधु शामिल हुए। समारोह के दौरान समाज की प्रतिभाओं का उत्साहवर्धन करते हुए 63 विद्यार्थियों, सरकारी सेवा में नवचयनित 39 कर्मचारियों एवं अधिकारियों तथा खेल क्षेत्र में चयनित तीन खिलाड़ियों को अतिथियों द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी ने निकाली भव्य तिरंगा यात्रा: देशभक्ति के नारों से गूंजा शहर

एजेंसी, थिंक राजस्थान

श्रीगंगानगर। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी द्वारा श्रीगंगानगर शहर में एक भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। सोसाइटी के सचिव पवन वधवा ने बताया कि इस यात्रा में विभिन्न शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों सहित शहर के गणमान्य नागरिकों और समाजसेवियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। यह तिरंगा यात्रा शहर के मुख्य मार्गों से होती हुई भगतसिंह चौक और गांधी चौक से गुजरी। यात्रा के दौरान 'भारत माता की जय' और देशभक्ति के नारों से पूरा वातावरण गुंजायमान हो उठा। मार्ग में जगह-जगह स्थानीय नागरिकों द्वारा यात्रा पर पुष्प वर्षा कर जोरदार स्वागत किया गया। यात्रा में ब्लूमिंग डेल्स इंटरनेशनल स्कूल (BDIS), जैन आईटीआई कॉलेज और ब्लू बड्र्स स्कूल के विद्यार्थियों के अलावा रेडक्रॉस सोसाइटी के वाइस चेयरमैन श्याम जैन, यात्रा प्रभारी एवं सामाजिक कार्यकर्ता सुषमा बतरा, कोषाध्यक्ष शैंकी जसूजा, अनिल वालिया, भूषण गोयल, परमिंदर सिंह, नरेश मोंगा, संदीप बंसल, दीपक मिड्ढा, अशोक भाटिया, राजीव नागपाल, सूरज सोनी, हरीश भाटिया, गौरव गर्ग, दीपक सेतिया, मनदीप कौर, गौरव कांसल, जीतपाल, विक्रमजीत, अमित और कुलदीप सिंह सहित बड़ी संख्या में लोग हाथों में तिरंगा थामे शामिल हुए।

कार्यक्रम के अंत में सोसाइटी के वाइस चेयरमैन श्याम जैन ने सभी सहभागियों का आभार व्यक्त किया। तिरंगा यात्रा के दौरान विद्यार्थियों और नागरिकों में देशभक्ति का उत्साह देखते ही बन रहा था। हाथों में राष्ट्रीय ध्वज थामे प्रतिभागी पूरे उत्साह के साथ आगे बढ़ रहे थे और देश की एकता, अखंडता एवं गौरव से जुड़े नारे लगा रहे थे। यात्रा में शामिल विद्यार्थियों ने भी पूरे अनुशासन के साथ भाग लेते हुए स्वतंत्रता दिवस के महत्व का संदेश दिया। शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरने के दौरान जगह-जगह लोगों ने यात्रा का स्वागत किया। इससे यात्रा का वातावरण और अधिक उत्साहपूर्ण हो गया।

महारानी कॉलेज में राज्य निर्वाचन आयुक्त बोले-युवा शक्ति ही लोकतंत्र की असली संवाहक

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजधानी जयपुर स्थित प्रसिद्ध महारानी महाविद्यालय में आज राज्य निर्वाचन आयोग, राजस्थान के तत्वावधान में 'मतदाता जागरूकता, संवैधानिक मूल्य एवं लोकतांत्रिक सहभागिता' विषय पर एक प्रेरणादायी विशेष व्याख्यान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री राजेश्वर सिंह रहे। समारोह का औपचारिक शुभारंभ महारानी कॉलेज की प्राचार्या प्रो० नूपुर माथुर के स्वागत उद्बोधन से हुआ, जिसमें उन्होंने अतिथियों का आत्मीय अभिनंदन करते हुए छात्राओं को लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में जागरूक एवं सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। तत्पश्चात, प्रो० सुधीर सोनी ने मतदान के महत्व, मतदाता के अधिकारों, पंजीकरण प्रक्रिया तथा निष्पक्ष चुनाव की संवैधानिक पृष्ठभूमि पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए छात्राओं को चुनावी प्रक्रिया की बारीकियों से अवगत कराया। मुख्य वक्ता के रूप में महारानी कॉलेज की छात्राओं को संबोधित करते हुए राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने वर्तमान में प्रस्तावित नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव की विस्तृत रूपरेखा साझा की। उन्होंने एक ऐतिहासिक एवं गौरवपूर्ण घोषणा करते हुए बताया कि राजस्थान देश में 'वन स्टेट वन इलेक्शन' (One State One Election) की शुरुआत करने जा

रहा है, जो संपूर्ण प्रदेश के लिए अत्यंत गर्व का क्षण है। आयुक्त ने स्पष्ट किया कि इस ऐतिहासिक व्यवस्था के तहत राज्य में नगरीय निकाय चुनाव दो चरणों में तथा त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव चार चरणों में निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुरक्षित तरीके से संपन्न कराए जाएंगे। 1952 से 2026: भारतीय लोकतंत्र की गौरवशाली संवैधानिक यात्रा का उल्लेख करते हुए राज्य निर्वाचन आयुक्त ने भारतीय लोकतंत्र के संवैधानिक सफर पर प्रकाश डालते हुए बताया कि 26 जनवरी 1950 को भारत के गणतांत्रिक स्वरूप की आधारशिला रखी गई थी। वर्ष 1952 के प्रथम आम चुनाव से शुरू हुई यह लोकतांत्रिक यात्रा आज वर्ष 2026 में अपने पूर्ण परिपक्व और सुदृढ़ स्वरूप में विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में स्थापित है। उन्होंने रेखांकित किया कि संसद द्वारा पारित 73वें और 74वें संविधान संशोधन के माध्यम से ही राज्य निर्वाचन आयोगों का गठन संभव हुआ, जिसने स्थानीय स्वशासन एवं पंचायती राज को धरातल पर मजबूती प्रदान की। इस एक वोट की शक्ति से आप देश और समाज की पूरी दिशा बदल सकते हैं।

अभिनव बीज महोत्सव एवं सीड बॉल्स अभियान से पर्यावरण संरक्षण को मिली नई दिशा

एजेंसी, थिंक राजस्थान

जोधपुर। पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन एवं राजस्थान को हरित बनाने के संकल्प को साकार करने की दिशा में आज अभिनव बीज महोत्सव एवं सीड बॉल्स अभियान का आयोजन किया गया। अभियान के तहत जोधपुर केंद्रीय कारागृह की महिला बंदियों द्वारा स्वयंसेवी संस्था के सहयोग से तैयार किए गए 2.5 लाख सीड बॉल्स का निःशुल्क वितरण किया गया। शहर विधायक अतुल भंसाली की इस अभिनव पहल को सभी ने सराहा तथा वक्ताओं ने कहा कि सीड बॉल्स का वितरण केवल बीजों के प्रसार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह धरती को अधिक हरा-भरा बनाने, जैव विविधता के संरक्षण तथा भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करने की दिशा में सामूहिक संकल्प का प्रतीक है। महिला बंदियों द्वारा तैयार किए गए सीड बॉल्स के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि समाज के प्रति सकारात्मक योगदान एवं परिवर्तन की भावना प्रत्येक व्यक्ति के भीतर मौजूद होती है तथा अवसर मिलने पर हर व्यक्ति पर्यावरण एवं समाज के हित में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

मनोरंजन समाचार

रिलीज से पहले चमकी 'बंटवारा 1947', सामने आया पहला रिव्यू, मिली फर्स्ट डे, फर्स्ट शो देखने की रिकमेंडेशन

बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'बंटवारा 1947' 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार है। प्रदर्शन से ठीक एक दिन पहले फिल्म उद्योग के जाने-माने निर्माता रमेश तौरानी ने आमिर खान और अली फजल के साथ आयोजित एक विशेष स्क्रीनिंग में यह फिल्म देखी। फिल्म देखने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया साझा करते हुए इसे एक बेहद संवेदनशील और दिल को छू लेने वाली कहानी बताया। उन्होंने दर्शकों से अपील की कि इस फिल्म को फर्स्ट डे, फर्स्ट शो ही देखा जाना चाहिए। स्क्रीनिंग के दौरान की एक तस्वीर साझा करते हुए रमेश तौरानी ने लिखा कि 'बंटवारा 1947' इंसानी जज्बे, लचीलेपन और करुणा के महत्व को दर्शाने वाली एक बेहद शक्तिशाली फिल्म है। यह फिल्म इतिहास के सबसे काले अध्यायों के दौरान भी मानवीय मूल्यों और दयालुता के महत्व को खूबसूरती से रेखांकित करती है। उनका मानना है कि निर्देशक राजकुमार संतोषी ने एक बार फिर ऐसी कहानी गढ़ी है जो सीधे दर्शकों के दिलों को छूती है। उनके निर्देशन की खास बात यह है कि वे अपनी फिल्मों में भावनाओं और मानवीय संवेदनाओं को बेहद खास अंदाज में उभारते हैं। फिल्म के अभिनय पक्ष की बात करते हुए तौरानी ने सनी देओल के प्रदर्शन को बेहद प्रभावशाली और शानदार करार दिया। इसके साथ ही, लगभग एक दशक के लंबे अंतराल के बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रहीं प्रीति जिंटा को उनके सर्वश्रेष्ठ अंदाज में देखना एक सुखद अनुभव रहा। फिल्म की मुख्य कहानी विभाजन के दौरान एक ऐसे मुस्लिम व्यक्ति के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसका किरदार सनी देओल ने निभाया है। जब वे बंटवारे के समय पाकिस्तान जाते हैं, तो उन्हें अपने नए घर में एक बुजुर्ग हिंदू महिला (शबाना आजमी द्वारा अभिनीत) मिलती है। बढ़ते तनाव के बीच, वह व्यक्ति अपने परिवार की सुरक्षा के साथ-साथ उस महिला को भी संरक्षण देने की जिम्मेदारी उठाता है। इस फिल्म में शबाना आजमी, अली फजल और करण देओल ने अपने-अपने किरदारों में गहराई और प्रामाणिकता लाते हुए असाधारण काम किया है। विशेष बात यह है कि इस फिल्म के जरिए सनी देओल और उनके बेटे करण देओल पहली बार बड़े पर्दे पर एक साथ नजर आ रहे हैं, जहां करण ने सनी के बेटे की ही भूमिका निभाई है। खलनायक के रूप में अभिमन्यु सिंह का प्रदर्शन काफी प्रभावी और भयानक रहा है। इनके अलावा फिल्म की स्टार कास्ट में खुशी हजारे और कनिका कपूर भी शामिल हैं।

राजकुमार संतोषी के निर्देशन में बनी इस फिल्म का निर्माण अपर्णा पुरोहित और आमिर खान प्रोडक्शंस के सहयोग से किया गया है। रमेश तौरानी ने निर्माताओं को इस तरह की संदेशप्रद और खूबसूरत फिल्म बनाने के लिए बधाई दी। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म की सीधी टक्कर इमरान हाशमी की 'आवारापन 2' से हो रही है। सिनेमाघरों में प्रदर्शन से 48 घंटे पहले दोनों ही फिल्मों की एडवांस बुकिंग शुरू कर दी गई थी। शुरुआती रुझानों और आंकड़ों के अनुसार पहले दिन की टिकट बिक्री में 'आवारापन 2' आगे चल रही है।

जॉनी लीवर बर्थडे स्पेशल : कभी पैसों के लिए बेची कलम...फिर ऐसे बने बॉलीवुड के कॉमेडी किंग

जब भी बॉलीवुड की कॉमेडी का जिक्र होता है, जॉनी लीवर का नाम अपने आप जुबां पर आ जाता है। अपनी खास आवाज, जबरदस्त टाइमिंग, चेहरे के एक्सप्रेशन और अलग-अलग किरदारों को निभाने के अंदाज से उन्होंने फिल्मों में कॉमेडी को एक अलग पहचान दी। आज करोड़ों लोगों को हंसाने वाले जॉनी लीवर का सफर इतना हसीन नहीं था। कभी पैसों की जरूरत ने उन्हें सड़कों पर कलम बेचने के लिए मजबूर किया था, तो कभी जिंदगी की परेशानियों ने उन्हें हिम्मत हारने के कगार तक पहुंचा दिया था। जॉनी लीवर का असली नाम जॉन प्रकाश राव जनुमाला है। उनका जन्म 14 अगस्त 1957 को आंध्र प्रदेश के प्रकाशम इलाके में हुआ। उनका बचपन मुंबई में बीता। परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत मजबूत नहीं थी। पढ़ाई भी ज्यादा आगे नहीं बढ़ सकी और उन्होंने सातवीं कक्षा के बाद पढ़ाई छोड़ दी। परिवार की मदद करने के लिए उन्हें छोटी उम्र से ही काम करना पड़ा। इसी दौरान वह मुंबई की सड़कों पर पेन बेचते थे लेकिन इन पेनों को बेचने का उनका अंदाज थोड़ा अलग था। वह लोगों को फिल्मी सितारों की नकल करके दिखाते और इसी हुनर से लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचते थे। यही मिमिक्री धीरे-धीरे उनकी पहचान बनने लगी। बाद में उन्होंने हिंदुस्तान यूनिलीवर में काम किया। वहां भी वह अपने साथियों और अधिकारियों की मिमिक्री करके लोगों को खूब हंसाते थे। एक कार्यक्रम में उनकी मिमिक्री ने ऐसा रंग जमाया कि साथी उन्हें मजाक में 'जॉनी लीवर' कहने लगे। आगे चलकर यही नाम उनकी सबसे बड़ी पहचान बन गया।

'कभी रेमो तो कभी अन्नियन बन जाता', अनुपमा परमेश्वरन ने बताया Ex बॉयफ्रेंड का खौफनाक बर्ताव

दक्षिण भारतीय सिनेमा की चर्चित अभिनेत्री अनुपमा परमेश्वरन ने अपनी निजी जिंदगी के एक बेहद दर्दनाक और कठिन अध्याय को लेकर बड़ा खुलासा किया है। एक बातचीत के दौरान उन्होंने अपनी पुरानी रिश्ते में करीब दो साल तक नार्सिसिस्टिक एब्यूज यानी मानसिक और भावनात्मक शोषण झेलने का दर्द बयां किया है। अभिनेत्री ने अपने इस कड़वे अनुभव के पीछे की पूरी सच्चाई बताई है, हालांकि उन्होंने अपने पूर्व पार्टनर के नाम का खुलासा नहीं किया है। अनुपमा परमेश्वरन ने हाल ही में सोशल मीडिया पर कई भावुक पोस्ट साझा किए थे, जिसके बाद से उनके ब्रेकअप की खबरें लगातार सुर्खियों में बनी हुई थीं। इन पोस्ट्स की वजह के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने साफ किया कि उन्होंने कोई भी कदम बिना सोचे-समझे नहीं उठाया। उन्होंने बताया कि उस एक सोशल मीडिया पोस्ट के पीछे उनके दो साल का असहनीय दर्द, शारीरिक और भावनात्मक रूप से टूटने की एक लंबी कहानी छिपी हुई थी। उन्होंने काफी समय तक खुद को मानसिक रूप से मजबूत करने और अंदरूनी तौर पर उबरने का इंतजार किया, ताकि वे खुलकर अपने साथ हुए इस दुर्व्यवहार पर बोल सकें। उनका मकसद केवल अपनी बात रखना ही नहीं, बल्कि उन लोगों तक अपनी आवाज पहुंचाना है जो जाने-अनजाने में इस तरह के शोषण का सामना कर रहे हैं।

अभिनेत्री ने बताया कि इस रिश्ते के दौरान वे अंदर से पूरी तरह से टूट चुकी थीं और खुद का दायरा समेटने लगी थीं। जहां एक स्वस्थ रिश्ते में इंसान खिलता है और आगे बढ़ता है, वहीं इस माहौल में उन्हें लगा कि उनका अस्तित्व सिमटता जा रहा है।

इसका असर उनकी सेहत पर भी पड़ा और उनका वजन काफी कम हो गया। अपने पार्टनर के अस्थिर और तेजी से बदलते व्यवहार को समझाने के लिए अनुपमा ने तमिल सिनेमा के मशहूर किरदारों का उदाहरण दिया। लेकिन यह भावनात्मक चक्र इसी तरह चलता रहता था और खत्म होने का नाम नहीं ले रहा था।

प्रकाश राज का दावा निकला झूठा! बेंगलुरु का जो एड्रेस दिया, वहां नहीं रहते एक्टर, सामने आ गई सच्चाई

प्रकाश राज का आज एक बड़ा झूठ सामने आया। हाल ही में साउथ और बॉलीवुड में अपने बेहतरीन अभिनय के लिए मशहूर प्रकाश राज ने एक वीडियो पोस्ट कर सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी थी। उन्होंने इस वीडियो में दावा किया था कि वह बेंगलुरु सेंट्रल लोकसभा क्षेत्र से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ चुके हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनका जन्म इसी क्षेत्र में हुआ, यहीं उन्होंने पढ़ाई-लिखाई की और थिएटर में काम किया। इसके बावजूद उनका नाम लाखों अन्य नागरिकों के साथ मतदाता सूची से चुपचाप हटा दिया गया। हालांकि, प्रकाश राज का यह दावा झूठा निकाला। चुनाव आयोग ने प्रकाश राज के बेंगलुरु में रहने वाले दावे को वैरीफिकेशन के बाद गलत साबित कर दिया है।

अनु मलिक ने सुनाया कुमार सानू का किस्सा, कहा- गाना सुने बिना ही रिकॉर्ड कर देते थे

प्रसिद्ध संगीतकार अनु मलिक लंबे समय से मनोरंजन जगत का हिस्सा बने हुए हैं और कई दिग्गजों के साथ काम किया है। कंपोजर ने हाल ही में 90 के दशक के मशहूर सिंगर कुमार सानू के साथ अपने यादगार रिकॉर्डिंग सेशन के बारे में बताया कि उनके आने से पूरे स्टूडियो का माहौल बदल जाया करता था। कंपोजर अनु मलिक ने यह किस्सा डांस रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर' सीजन 5 में शेयर किया। दरअसल, शो में कंटेस्टेंट रितेश और प्रतीक ने 'इंडिया वाला डांस' पर परफॉर्मेंस दी, तो अनु मलिक और कुमार सानू ने अपने म्यूजिकल साथ और 1990 के दशक के यादगार रिकॉर्डिंग सेशन को याद किया। शो के होस्ट हर्ष लिम्बाचिया ने दोनों म्यूजिक के पुराने कलाकारों से पूछा कि उनके रिकॉर्डिंग सेशन के दौरान स्टूडियो के अंदर आम तौर पर क्या होता था, तो अनु मलिक ने याद किया कि कुमार सानू कितना खास माहौल बनाते थे। अनु मलिक ने कहा, "हमने बहुत काम किया है और 90 के दशक का पूरा माहौल देखा है। जब कुमार सानू स्टूडियो आते थे, तो पूरा माहौल ही बदल जाया करता था। जो गाना रिकॉर्ड होना होता था, वे उसे कभी सुनते ही नहीं थे। जैसे गाना 'संभाला है मैंने बहुत अपने दिल को' के बोल गाने से पहले याद कर लिए, अब मुझे देखकर सोच रहे हैं कि पता नहीं यार, शायद अच्छा ही होगा। अब अनु जी ने बनाया है, तो अच्छा ही होगा।" अनु मलिक ने आगे कहा, "मैं पहले उनसे पूरा गाना रिहर्सल करवा लेता था, दिलचस्प बात ये कि उन्होंने कर भी लिया लेकिन जब मैंने पूछा कि गाना कैसा लगा, तो बोले, 'अरे दादा, अगर आपने बनाया है तो कमाल ही होगा।' कंपोजर ने सानू के साथ फिर से काम करने की इच्छा भी जताई। उन्होंने कहा, "यह मेरा सौभाग्य होगा कि मुझे फिर से उनके साथ काम करने का मौका मिले क्योंकि वे इतने लाजवाब गायक हैं कि अगर गाना चार चांद का होगा, तो वे उसमें बारह चांद लगा देंगे। यह वो आवाज है जो हमेशा जिंदा रहेगी। हम जल्दी ही साथ काम करेंगे यह मेरा वादा है।" संगीतकार अनु मलिक ने कुमार सानू के साथ अपने पुराने संगीत सफर की यादें साझा करते हुए कहा कि 1990 के दशक में उनके साथ रिकॉर्डिंग करना अपने आप में एक खास अनुभव हुआ करता था। उन्होंने बताया कि कुमार सानू के स्टूडियो पहुंचते ही वहां का माहौल बदल जाता था और उनकी सहजता तथा आत्मविश्वास से पूरी टीम में अलग तरह की ऊर्जा आ जाती थी। यह किस्सा नृत्य आधारित कार्यक्रम 'इंडियाज बेस्ट डांसर' के पांचवें संस्करण के दौरान सामने आया। कार्यक्रम में प्रतियोगी रितेश और प्रतीक ने 'इंडिया वाला डांस' गीत पर प्रस्तुति दी। प्रस्तुति के बाद अनु मलिक और कुमार सानू ने पुराने दौर के अपने संगीत सफर और साथ में किए गए काम को याद किया। कार्यक्रम के प्रस्तोता हर्ष लिम्बाचिया ने दोनों से उनके पुराने रिकॉर्डिंग सत्रों के बारे में पूछा। इसी दौरान अनु मलिक ने बताया कि कुमार सानू रिकॉर्डिंग से पहले गीत को लेकर बहुत सहज रहते थे। उनके अनुसार, सानू कई बार गीत को पहले से सुनने के बजाय सीधे रिकॉर्डिंग की तैयारी करते थे और अपनी आवाज से गीत को अलग पहचान दे देते थे। अनु मलिक ने 1990 के दशक के उस दौर को याद करते हुए बताया कि जब कुमार सानू स्टूडियो में आते थे तो रिकॉर्डिंग का पूरा वातावरण बदल जाता था। उन्होंने कहा कि सानू के भीतर गाने को लेकर एक अलग आत्मविश्वास था। वे गीत की धुन और बोल को समझने के बाद उसे अपनी विशिष्ट आवाज में प्रस्तुत करते थे। संगीतकार ने उस दौर के एक लोकप्रिय गीत का उदाहरण देते हुए बताया कि कई बार गीत रिकॉर्ड करने से पहले वे सानू के साथ उसका अभ्यास करवाते थे। सानू भी पूरी तैयारी के साथ रिहर्सल करते थे, लेकिन गीत के बारे में पूछने पर उनका जवाब बेहद सहज और भरोसे से भरा होता था। अनु मलिक के अनुसार, सानू का विश्वास था कि यदि गीत उन्होंने बनाया है तो वह अच्छा ही होगा। इस बातचीत के दौरान दोनों कलाकारों की पुरानी दोस्ती और संगीत से जुड़ा रिश्ता भी दिखाई दिया। 1990 का दशक हिंदी फिल्म संगीत के लिए बेहद महत्वपूर्ण दौर माना जाता है और इस समय कुमार सानू की आवाज कई लोकप्रिय गीतों का हिस्सा बनी। अनु मलिक ने भी इस दौर में बड़ी संख्या में फिल्मों के लिए संगीत तैयार किया और दोनों ने साथ मिलकर कई यादगार गीतों को जन्म दिया। उन्होंने कहा कि यदि कोई गीत पहले से ही शानदार हो, तो कुमार सानू अपनी आवाज से उसे और भी ऊंचाई तक ले जाने की क्षमता रखते हैं। अनु मलिक ने भविष्य में एक बार फिर कुमार सानू के साथ काम करने की इच्छा भी जताई।

सिर्फ गायकी ही नहीं, बिजनेस में भी पक्के निकले सोनू निगम, मुंबई के प्राइम लोकेशन में ली 1 करोड़ की नई कमर्शियल स्पेस

मुंबई का रियल एस्टेट बाजार हमेशा से ही देश के नामचीन हस्तियों, उद्योगपतियों और कलाकारों की पहली पसंद रहा है। बांद्रा, जुहू और अंधेरी जैसे पॉश उपनगरीय इलाकों में संपत्तियों की खरीदारी और बिक्री की खबरें अक्सर चर्चा का विषय बनती हैं। इसी क्रम में बॉलीवुड के एक लोकप्रिय और सुरों के जादूगर माने जाने वाले कलाकार सोनू निगम ने हाल ही में मुंबई के एक प्राइम कमर्शियल हब में नया निवेश करके सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। प्रॉपर्टी रजिस्ट्री से जुड़े दस्तावेजों से खुलासा हुआ है कि इस सौदे को आधिकारिक तौर पर अगस्त 2026 में अंतिम रूप दिया गया। दस्तावेजों के अनुसार गायक सोनू निगम (आधिकारिक दस्तावेजों में सोनू अगमकुमार निगम) ने मुंबई के अंधेरी वेस्ट इलाके में स्थित लोखंडवाला रोड के सुंदरवन कॉम्प्लेक्स में एक ऑफिस यूनिट खरीदी है। यह कमर्शियल प्रॉपर्टी 258.33 वर्ग फीट कारपेट एरिया में फैली हुई है। सोनू निगम ने यह संपत्ति 'सिंगुलर हेल्थ प्राइवेट लिमिटेड' नामक कंपनी से 1 करोड़ की तय कीमत पर खरीदी है। इस सौदे की रजिस्ट्री 6 अगस्त 2026 को पूरी की गई। प्रॉपर्टी की कुल खरीद मूल्य के अलावा, सोनू निगम ने इस सौदे के लिए 6 लाख की स्टाम्प ड्यूटी और 30,000 का रजिस्ट्रेशन शुल्क चुकाया है। सोनू निगम पिछले कुछ वर्षों से प्रॉपर्टी मार्केट में काफी सक्रिय रहे हैं।

जेना ओर्टेगा की बदली हुई लुक पर फैंस चिंतित, सोशल मीडिया पर छिड़ी चर्चा

नेटफ्लिक्स की लोकप्रिय सीरीज Wednesday की स्टार जेना ऑर्टिगा इन दिनों अपनी एक हालिया इंटरव्यू को लेकर चर्चा में हैं। Esquire के 'How I Got Here' सीरीज में नजर आईं जेना के लुक में बदलाव को देखकर सोशल मीडिया पर कई फैंस ने उनकी सेहत को लेकर चिंता जाहिर की है। इंटरव्यू के दौरान जेना ने बतौर बाल कलाकार अपने शुरुआती दिनों और हॉलीवुड में अपने सफर के बारे में बात की। इसी दौरान कुछ दर्शकों का ध्यान उनके बदले हुए और पहले की तुलना में ज्यादा पतले दिखाई दे रहे लुक पर गया। इसके बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर उनकी तस्वीरों और पुराने लुक की तुलना को लेकर बहस शुरू हो गई। इंटरव्यू में जेना ने अपने चाइल्ड आर्टिस्ट के दिनों को याद करते हुए बताया कि वह कभी-कभी पूरे दिन खाना या पानी मांगने से बचती थीं, क्योंकि उन्हें डर रहता था कि इससे आसपास के लोग चिंतित हो सकते हैं। उन्होंने अपने उस दौर को याद करते हुए कहा कि वह काम को लेकर बेहद उत्साहित और आभारी रहती थीं और पूरी तरह अपने काम पर ध्यान देती थीं। हालांकि, उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि शायद उस समय उनकी एक गलती यह थी कि वह अपना ख्याल ठीक से नहीं रखती थीं। इंटरव्यू सामने आने के बाद X समेत सोशल मीडिया के दूसरे प्लेटफॉर्म्स पर कई यूजर्स ने जेना के लुक को लेकर चिंता जताई। कुछ लोगों ने कहा कि पिछले एक साल में उनके शरीर और चेहरे में बदलाव दिखाई दे रहा है और उम्मीद जताई कि वह ठीक होंगी। वहीं, कुछ यूजर्स ने हॉलीवुड और सोशल मीडिया में सेलिब्रिटी बॉडी को लेकर बनने वाले सौंदर्य मानकों पर भी सवाल उठाए। हालांकि, सोशल मीडिया पर की जा रही ये टिप्पणियां व्यक्तिगत धारणाओं पर आधारित हैं। जेना ऑर्टिगा के लुक को लेकर चर्चा बढ़ने के साथ कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने उनकी तुलना पॉप स्टार एरियाना ग्रांडे से भी की। दोनों ही कलाकारों के शरीर और लुक को लेकर सोशल मीडिया पर पहले भी चर्चाएं होती रही हैं। कुछ लोगों ने इसे हॉलीवुड में बदलते ब्यूटी स्टैंडर्ड से जोड़ते हुए कहा कि मनोरंजन जगत में बेहद पतले शरीर को लेकर बढ़ती चर्चा चिंता का विषय हो सकती है। जेना ऑर्टिगा ने फिलहाल सोशल मीडिया पर चल रही अपनी सेहत और लुक से जुड़ी चर्चाओं पर सार्वजनिक रूप से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

सार समाचार

अमेरिका में 'बर्थ टूरिज्म' के खिलाफ अभियान तेज, 600 से ज्यादा विदेशी नागरिकों के वीजा रद्द

वॉशिंगटन। अमेरिका ने 'बर्थ टूरिज्म' के खिलाफ एक नए अभियान के तहत 600 से ज्यादा विदेशी नागरिकों के वीजा रद्द कर दिए हैं। अमेरिकी विदेश विभाग ने बुधवार को यह जानकारी दी। विदेश विभाग ने बताया कि उसने 'बर्थ टूरिज्म प्रिवेंशन टास्क फोर्स' नाम की एक विशेष टीम बनाई है।

इसका काम उन वीजा धारकों की पहचान करना है जो अमेरिका में बच्चे को जन्म देने के लिए वहां गए थे। साथ ही, उन लोगों और नेटवर्क का पता लगाना भी है जो ऐसी यात्राओं की व्यवस्था करते हैं। यह टास्क फोर्स दुनिया भर के वीजा धारकों की गतिविधियों और यात्रा इतिहास की समीक्षा करती है। इसके अलावा यह विदेश विभाग, होमलैंड सिक्योरिटी विभाग और अन्य संघीय एजेंसियों के पास मौजूद जानकारी का भी विश्लेषण करती है। इसका उद्देश्य 'बर्थ टूरिज्म' से जुड़े मामलों की पहचान करना, वीजा रद्द करना और इस गतिविधि से कमाई करने वाले नेटवर्क को खत्म करना है। विदेश विभाग ने एक फैक्ट शीट में कहा, "बर्थ टूरिज्म टास्क फोर्स ने इस दुरुपयोग से देश की सुरक्षा के लिए दुनिया भर के विदेशी नागरिकों के 600 से अधिक वीजा रद्द किए हैं।" विभाग ने कहा कि आम तौर पर वीजा तब रद्द किए जाते हैं जब किसी व्यक्ति के वीजा के लिए अयोग्य होने के संकेत मिलते हैं। विदेश मंत्री मार्को रुबियो के पास वीजा रद्द करने का व्यापक अधिकार है। यह कदम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से छह अगस्त को जारी किए गए एक कार्यकारी आदेश के बाद उठाया गया है। विदेश विभाग का कहना है कि कुछ लोगों ने इस प्रथा को एक बड़े और लाभदायक कारोबार का रूप दे दिया है।

250 दिनों से समुद्र में यूएसएस अब्राहम लिंकन, अमेरिकी सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल ने पूछे सवाल

वाशिंगटन/तेहरान। अमेरिकी नौसेना की लंबी तैनाती को लेकर घरेलू स्तर पर सवाल पूछे जाने लगे हैं। सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल ने रक्षा सचिव पीट हेगसेथ और कार्यवाहक नौसेना सचिव हंग काओ से यूएसएस अब्राहम लिंकन (सीवीएन-72) में तैनात नौसैनिकों की खराब परिस्थितियों, आपूर्ति की कमी, प्लंबिंग समस्याओं और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों को लेकर रक्षा अधिकारियों से जवाब मांगा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने तीन पन्नों की चिट्ठी साझा करते हुए पूछा कि विभाग बताए कि सैनिक को लेकर फिक्र जाहिर की। विमानवाहक पोत 250 दिनों से अधिक समय से समुद्र में है। ब्लूमेंथल ने कहा, " पोत पर आपूर्ति की कमी, प्लंबिंग संबंधी समस्याओं और सैनिकों के बिगड़ते मानसिक स्वास्थ्य की रिपोर्ट गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने यूएसएस गेराल्ड आर. फोर्ड (सीवीएन-78) का भी जिक्र किया।

हेगसेथ ने पश्चिमी देशों से की आईसीसी छोड़ने की अपील, बताया गैरकानूनी अदालत

वॉशिंगटन। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने पश्चिमी गोलार्ध के सुरक्षा गठबंधन के सदस्य देशों से अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) से अलग होने का आग्रह किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि आईसीसी राष्ट्रीय संप्रभुता के लिए खतरा पैदा कर रहा है और नशीले पदार्थों के तस्करी गिरोहों के खिलाफ चलाए जा रहे सैन्य अभियानों पर अपना अधिकार क्षेत्र स्थापित करने की कोशिश कर रहा है। पनामा में आयोजित 'अमेरिका काउंटर कार्टेल गठबंधन' (एसीसीसी) सम्मेलन को संबोधित करते हुए हेगसेथ ने यह भी घोषणा की कि कोलंबिया इस गठबंधन का 19वां सदस्य बनेगा। हेगसेथ ने कहा, "मैं एसीसीसी के हर सदस्य देश को दृढ़ता से प्रोत्साहित करता हूं कि वह आईसीसी से बाहर निकलें और आपकी सरकारों तथा अदालतों की संप्रभुता छीनने की उसकी कोशिशों को खारिज करें। एक सैनिक के तौर पर मैंने संविधान की रक्षा की शपथ ली थी, किसी नकली और गैर-वैध अंतरराष्ट्रीय अदालत की नहीं।" उन्होंने कहा कि आतंकवादी संगठनों के रूप में घोषित समूहों के खिलाफ अमेरिका और उसके साझेदार देशों की कार्रवाई पूरी तरह कानूनी है। इस अभियान में हमारी सभी कार्रवाइयां सशस्त्र संघर्ष के कानूनों के तहत 100 प्रतिशत वैध हैं। हेगसेथ ने बताया कि लगभग एक साल पहले शुरू किए गए 'ऑपरेशन सदर्न स्पीयर' के कारण संदिग्ध ड्रग तस्करी वाली नावों की आवाजाही में बड़ी कमी आई है। उन्होंने बताया कि होंडुरास और ग्वाटेमाला ने संयुक्त अभियानों में अमेरिकी भागीदारी के लिए वाशिंगटन को आमंत्रित किया है।

कुछ महीने पहले पीटे गए थे नेपाल के पूर्व पीएम, अब स्वदेश वापसी पर हुआ भव्य स्वागत

काठमांडू। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा अपने साथ हुई मारपीट के बाद करीब 6 महीने विदेश में इलाज कराने के बाद गुरुवार को काठमांडू लौट आए हैं। 80 साल के देउबा का त्रिभुवन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। उनके स्वागत के लिए संगीत बैंड और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। देशभर से नेपाली कांग्रेस के कार्यकर्ता पार्टी के गैर-स्थापना धड़े की राष्ट्रीय सभा में शामिल होने के लिए काठमांडू पहुंचे थे। बड़ी संख्या में ये कार्यकर्ता देउबा के स्वागत के लिए एयरपोर्ट पर भी मौजूद रहे। बता दें कि देउबा 25 फरवरी को अपनी पत्नी और पूर्व मंत्री आरजू राणा देउबा के साथ इलाज के लिए सिंगापुर गए थे। हालांकि, गुरुवार को वह अकेले नेपाल लौटे। नेपाल कांग्रेस के अध्यक्ष देउबा पिछले साल सितंबर में हुए Gen-Z आंदोलन के दौरान घायल हो गए थे। 9 सितंबर को प्रदर्शनकारियों की भीड़ ने उनके घर पर हमला कर दिया था। इस दौरान देउबा और उनकी पत्नी आरजू राणा देउबा को गंभीर चोटें आई थीं। दोनों के सिर में भी चोट लगी थी।

इसके बाद दोनों इलाज के लिए नेपाल से बाहर चले गए थे। बाद में इस दंपती को हांगकांग में भी देखा गया था। हालांकि, उन्होंने अपने इलाज और विदेश में रहने की पूरी जानकारी सार्वजनिक नहीं की। दोनों ने अलग-अलग मौकों पर सिर्फ इतना बताया कि वे इलाज के लिए विदेश में हैं। उन्होंने यह भी नहीं बताया कि उन्हें किस बीमारी या समस्या का इलाज चल रहा था। देउबा के स्वागत के लिए त्रिभुवन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर मौजूद नेपाली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बिमलेंद्र निधि ने कहा कि प्रदर्शन के दौरान घायल होने के बाद देउबा और उनकी पत्नी इलाज के लिए सिंगापुर गए थे। बिमलेंद्र निधि ने आगे कहा कि देउबा घर जाएंगे और शुक्रवार को नेपाली कांग्रेस की राष्ट्रीय सभा होगी, जिसमें वह मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होकर पार्टी को संबोधित करेंगे। अलग-अलग धड़े पार्टी के भविष्य, नेतृत्व और संगठन के पुनर्गठन को लेकर अपनी रणनीति बना रहे हैं।

ट्रंप का बड़ा बयान- "Strait of Hormuz पर हमारा पूरा कंट्रोल, ईरान कुछ नहीं कर सकता"

ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज (Strait of Hormuz) को लेकर बड़ा बयान दिया है। ट्रंप ने बुधवार को कहा कि अमेरिका का स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज पर पूरा कंट्रोल और उनका देश इसे बनाए रखने का इरादा रखता है। उन्होंने अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी को "स्टील की दीवार" करार देते हुए कहा कि ईरान इसके खिलाफ कुछ नहीं कर सकता। स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है। दुनिया के कुल तेल व्यापार का करीब पांचवां हिस्सा इसी संकरे समुद्री रास्ते से होकर गुजरता है। ऐसे में यहां किसी भी तरह की सैन्य झड़प या समुद्री यातायात में बाधा का असर वैश्विक तेल कीमतों, शिपिंग बीमा और अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। ईरान और ओमान के बीच स्थित इस जलडमरूमध्य को लेकर लंबे समय से अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बना हुआ है। तेहरान की ओर से कई बार संकेत दिए गए हैं कि यदि उस पर सैन्य और आर्थिक दबाव बढ़ता है तो वह समुद्री यातायात को प्रभावित कर सकता है।

हॉर्मुज में तनाव के बीच अमेरिका ने खाड़ी क्षेत्र में अपनी नौसेना की मजबूत मौजूदगी बनाए रखी है। वॉशिंगटन का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों में नौवहन की स्वतंत्रता और व्यापारिक जहाजों की आवाजाही की सुरक्षा उसकी प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। ट्रंप का ताजा बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने के लिए पर्दे के पीछे कूटनीतिक प्रयास भी जारी हैं। दोनों देशों के बीच अप्रत्यक्ष बातचीत में हॉर्मुज में सामान्य समुद्री गतिविधियां बहाल करने और तनाव कम करने की संभावनाओं पर चर्चा हो रही है।

कोलंबिया में भूकंप के बाद मलबे से जिंदा निकाला गया नवजात, सामने आईं रेस्क्यू की तस्वीरें

कोलंबिया में भूकंप के बाद नवजात को रेस्क्यू किया गया है। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में गिरी हुई इमारत के मलबे से एक छोटे बच्चे को निकालते हुए लोग दिख रहे हैं। कोलंबिया में बीते 10 अगस्त को 7.4 की तीव्रता का भूकंप आया था जिसके बाद ये बच्चा मलबे में फंसा गया था।

भूकंप की वजह से कोलंबिया में अब तक 181 लोगों की मौत और 2 हजार 595 के घायल होने की खबर है। CBS News में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक, बीते सोमवार की रात ब्रायन ओसोरियो जुलुआगा की तरफ से फेसबुक पर पोस्ट किए गए वीडियो में, कैली शहर में लोग इमारत के मलबे को हटाते हुए दिख रहे हैं। इस दौरान, वे मलबे में दबे शख्स से पूछते हैं कि क्या वह अकेला है। तब वह शख्स दबी हुई आवाज में कहता सुनाई देता है, 'मेरे साथ एक बच्चा है।' इसके बाद, लोग तेजी से अपने हाथों से ही मलबा हटाते हैं, तो अंदर से बच्चे के रोने की आवाज सुनाई देती है।

एक अन्य वीडियो में एक शख्स रोते हुए बच्चे को पकड़े हुए नजर आता है, उसके हाथ खून से सने होते हैं और उसकी बॉडी के नीचे का हिस्सा अभी भी मलबे में दबा हुआ होता है। इसके बाद लोग धीरे-धीरे बच्चे को मलबे से बाहर निकालते हैं।

फिर पैरामेडिक को बुलाया जाता है और लोग बच्चे के मलबे से जिंदा बाहर निकलने की खुशी में चिल्लाने लगते हैं। जुलुआगा के पोस्ट किए गए एक अन्य वीडियो में नजर आता है कि कर्मचारी बाद में उस आदमी को भी बाहर निकालने में मदद करते हैं जिसने बच्चे को पकड़ रखा था। इन वीडियोज को पोस्ट करते हुए उसके कैप्शन में जुलुआगा ने लिखा कि आज मुझे पहले से कहीं ज्यादा यह बात समझ में आ गई कि कोई भी ऐसी स्थिति का सामना करने के लिए तैयार नहीं होता, जैसी हालत से हम आज कोलंबिया में गुजर रहे हैं।

जुलुआगा ने अपने पोस्ट में ये भी बताया कि वे रेस्क्यू वाली उस जगह पर सबसे पहले पहुंचने वाले लोगों में से एक थे। जुलुआगा ने लोगों के साथ मिलकर अन्य लोगों को बचाने में मदद भी की।

बेहतर मां की जिम्मेदारी निभाना चाहती हूं, ट्रंप की सलाहकार के तौर पर रहूंगी साथ

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा की है। उन्होंने इसके पीछे की वजह एक मां के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाना बताया। उन्होंने कहा कि परिवार और दो छोटे बच्चों को समय देने के लिए वह व्हाइट हाउस छोड़ रही हैं, हालांकि लेविट ने स्पष्ट किया कि वह बाहर से ट्रंप की प्रमुख सलाहकार के तौर पर काम करती रहेंगी और रिपब्लिकन पार्टी का समर्थन जारी रखेंगी। कैरोलिन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में लिखा, ''पिछले डेढ़ साल तक व्हाइट हाउस प्रेस सचिव के रूप में सेवा करना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान और सबसे यादगार अनुभव रहा है। मैं राष्ट्रपति ट्रंप की बेहद आभारी हूं कि उन्होंने मुझे इतने असाधारण अवसर दिए। मुझे वेस्ट विंग में काम करने, ओवल ऑफिस में अनगिनत घंटे बिताने, दुनिया भर की यात्राएं करने, विदेशी नेताओं से मिलने और हमारे खूबसूरत देश के अलग-अलग हिस्सों में जाकर हर वर्ग के अमेरिकी नागरिकों से मिलने का मौका मिला।'' लेविट ने कहा, ''सबसे बढ़कर मैं राष्ट्रपति की आभारी हूं कि उन्होंने मुझे व्हाइट हाउस के पोडियम से उनकी ओर से बोलने की जिम्मेदारी और सम्मान दिया। मैंने इस प्रशासन की कई ऐतिहासिक उपलब्धियों के बारे में हमेशा गर्व के साथ बात की है। साथ ही मुझे यह सुनिश्चित करने में भी संतोष मिला कि मीडिया जवाबदेह रहे और अमेरिकी लोगों तक राष्ट्रपति ट्रंप की सफलताओं के बारे में सच्ची जानकारी पहुंचे।'' मैं हमेशा एमएजीए आंदोलन और रिपब्लिकन पार्टी की खुलकर समर्थक बनी रहूंगी।

पुतिन की किस हरकत पर भड़का जापान? PM ने कहा- 'ये बिल्कुल बर्दाश्त के लायक नहीं है'

टोक्यो। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के विवादित इटुरुप द्वीप के दौरे पर जापान ने कड़ा विरोध जताया है। जापान की प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची ने गुरुवार को पुतिन की यात्रा को 'बिल्कुल अस्वीकार्य' बताया। उन्होंने कहा कि रूस के राष्ट्रपति का यह दौरा जापान-रूस संबंधों को गंभीर नुकसान पहुंचाता है और जापान में रूस के खिलाफ लोगों की नाराजगी को और बढ़ाता है। रूस की सरकारी न्यूज एजेंसी TASS के मुताबिक, पुतिन ने गुरुवार को इटुरुप द्वीप का दौरा किया। जापान में इस द्वीप को एटोरुफू (Etorofu) कहा जाता है। यह दक्षिणी कुरिल द्वीप समूह के 4 विवादित द्वीपों में से एक है, जिस पर रूस का कब्जा है, जबकि जापान इस पर अपना दावा करता है। पुतिन का इटुरुप दौरा इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह पहली बार है जब वह रूस के कब्जे वाले और जापान के दावे वाले इन 4 द्वीपों में से किसी एक पर पहुंचे हैं। क्रेमलिन की प्रेस सेवा के वीडियो फुटेज के आधार पर TASS ने बताया कि पुतिन ने इटुरुप में यास्नी फिश प्रोसेसिंग प्लांट का दौरा किया। जापान का कहना है कि उसने रूस से कई बार अनुरोध किया था कि राष्ट्रपति स्तर पर इन द्वीपों का दौरा न किया जाए। प्रधानमंत्री ताकाइची के मुताबिक, पुतिन ने जनवरी 2024 में इस इलाके का दौरा करने की अपनी इच्छा जताई थी। इसके बाद से तोक्यो लगातार मॉस्को से ऐसा कदम नहीं उठाने की अपील करता रहा है। प्रधानमंत्री ताकाइची ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि जापान इटुरुप द्वीप को ऐतिहासिक और अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अपना मूल क्षेत्र मानता है। इसलिए रूस के मौजूदा राष्ट्रपति का वहां जाना जापान के लंबे समय से चले आ रहे रुख के पूरी तरह खिलाफ है। ताकाइची ने आगे कहा कि इस दौरे से जापानी लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंची है और यह कदम 'बिल्कुल बर्दाश्त के लायक नहीं' है।

कुरिल द्वीपों को जापान में 'नॉर्दर्न टेरिटरीज' यानी उत्तरी क्षेत्र कहा जाता है। यह विवाद चार द्वीपों को लेकर है। इनमें इटुरुप/एटोरुफू, कुनाशीर/कुनाशिरी, शिकोटान और हाबोमाई द्वीप समूह शामिल हैं। ये द्वीप जापान के होक्काइडो और रूस के कामचटका प्रायद्वीप के बीच स्थित हैं। जापान और रूस दोनों इन द्वीपों पर अपना दावा करते हैं। जापान का कहना है कि 1855 की शिमोडा संधि के तहत इन द्वीपों को ऐतिहासिक रूप से जापानी क्षेत्र माना गया था। लेकिन द्वितीय विश्व युद्ध के अंतिम दिनों में अगस्त 1945 में सोवियत सैनिकों ने इन द्वीपों पर कब्जा कर लिया। इसके बाद करीब 17,000 जापानी निवासियों को वहां से निकाल दिया गया।

यूक्रेन ने रूस के काला सागर ठिकाने पर हमले को बताया सफल

यूक्रेन। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रूसी शहर नोवोरोसिस्क के खिलाफ किए गए अभियान को सफल बताया। नतीजों की रिपोर्ट को जिक्र करते हुए जेलेंस्की ने कहा कि इन हमलों में कई लंबी दूरी के हथियारों, ड्रोन और समुद्री ड्रोन का संयुक्त इस्तेमाल किया गया। उन्होंने दावा किया कि रूसी नौसेना के कई प्रमुख जहाजों को निशाना बनाया गया। मंगलवार रात यूक्रेन की रक्षा सेनाओं ने नोवोरोसिस्क स्थित नौसैनिक अड्डे पर एक विशेष अभियान चलाया। यह काला सागर में रूसी नौसेना का आखिरी बड़ा प्रमुख ठिकाना माना जाता है और यह मोर्चे से 300 किलोमीटर से अधिक दूर स्थित है।'' यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, ''यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बताया कि आज हमारे रूस के नोवोरोसिस्क के खिलाफ किए गए अभियान के नतीजों की रिपोर्ट पेश की गई। इसमें हमारे हथियारों और लंबी दूरी की क्षमताओं का संयुक्त इस्तेमाल किया गया। यह एक सफल अभियान रहा।''

यूक्रेनी राष्ट्रपति ने बताया कि मैं हमारे सैनिकों की सटीकता के लिए और हमारे हथियारों को विकसित और बनाने वाले विशेषज्ञों व निर्माताओं का धन्यवाद करता हूं, जिनकी वजह से यूक्रेन की क्षमताएं और मजबूत हुई हैं। पहली बार एक ही अभियान में 'पालियानित्सिया', 'पेक्लो', 'बार्स' और 'लॉन्ग नेपच्यून' ने मिलकर काम किया। साथ ही 'मिच', 'फायर पॉइंट', 'रामजे', 'सिचेन', 'ट्रस्ट', 'खारियोक', 'बोबर', 'ल्युटी' और 'डोवबुश' ड्रोन भी शामिल थे।

चीन के पूर्व प्रधानमंत्री Zhu Rongji का निधन, अपने देश को आर्थिक शक्ति बनाने में किया था बड़ा योगदान

चीन के पूर्व प्रधानमंत्री Zhu Rongji का 98 साल की उम्र में निधन हो गया है। Zhu Rongji ने ही चीन को WTO में शामिल करवाया था और साथ ही चीन में आर्थिक तेजी लाने में काफी मदद की थी। चीन की सरकारी मीडिया के मुताबिक, Zhu Rongji ने 1990 के दशक में सरकारी उद्योगों में बड़े और मुश्किल परिवर्तन करके और चीन को विश्व व्यापार संगठन में शामिल कराया था। इससे चीन को जबरदस्त आर्थिक तेजी की शुरुआत करने में मदद मिली थी। चीनी सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने कहा कि बुधवार की सुबह लगभग 11 बजे बीजिंग में बीमारी की वजह से Zhu Rongji का निधन हो गया। 98 वर्ष की उम्र में Zhu Rongji ने अंतिम सांस ली। Zhu Rongji वो थे, जिन्हें कभी दूसरे कम्युनिस्ट देशों में सुधारों की तारीफ करने के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में निर्वासित कर शारीरिक श्रम करने के लिए मजबूर किया गया था, लेकिन बाद में 1998 से 2003 तक चीन के प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने कई बड़े और महत्वपूर्ण बदलाव किए थे। गौरतलब है कि Deng Xiaoping के 1979 के सुधारों को आगे बढ़ाते हुए, Zhu Rongji को चीन की WTO की मेंबरशिप जैसे तमाम ऐतिहासिक बदलावों का क्रेडिट दिया जाता है। चीन को इन बदलावों ने दुनिया का सबसे बड़ा निर्यातक देश बनाने में बहुत मदद की। इन बदलावों के कारण ही 2000 से 2010 के बीच चीन की आर्थिक विकास दर सालाना 8 फीसदी से ऊपर बनी रही और 2007 में यह 14.2 प्रतिशत के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई थी। उनके सख्त अंदाज के कारण Zhu Rongji को बॉस और 'झू फेंगजी' यानी पागल झू जैसे नाम दिए गए थे।

SPORTS NEWS

Australia fan shouts at Steve Smith during first Test vs Bangladesh in Darwin

Steve Smith's attempt to deal with a sight-screen problem during Australia's first Test against Bangladesh in Darwin was met with an unexpected response from the crowd. The incident happened in the second session of the day when play was briefly interrupted because of an issue with the sight screen. Smith spent quite some time to deal with it, which frustrated one of the spectators. Due to the delay, he directed a blunt message at the Australia batter. "Just hit the damn thing, Smudge (Smith's nickname). Stop being a princess. You are not bigger than the game, Steve, deal with it," said the fan in a video posted by Fox Cricket on their Instagram handle. The exchange came during a difficult day for Australia, who were struggling to cope with Bangladesh's pace attack. Hasan Mahmud was particularly effective, removing Travis Head for 22 and Jake Weatherald for 23 after the Australian openers had put together 45 runs. Smith's innings also carried statistical significance.

India opt out of FIFA ASEAN Cup to make way for much-awaited Brazil friendly in Kolkata

Indian football has made a significant call ahead of a busy international calendar, with the All India Football Federation (AIFF) deciding to withdraw the national team from the inaugural FIFA ASEAN Cup. The move has been made to ensure India can honour its much-anticipated international friendly against five-time world champions Brazil in October. AIFF deputy secretary general M Satyanarayanan confirmed on Thursday that India will not participate in the new FIFA-sanctioned competition. With the ASEAN Cup and the Brazil friendly creating a scheduling challenge, the federation has opted to prioritise the high-profile clash. "We have pulled out of the FIFA ASEAN Cup since we can't play both Brazil and the FIFA ASEAN Cup," Satyanarayanan told news agency PTI. The decision means India will miss out on the chance to test themselves against some of Southeast Asia's prominent footballing nations in a FIFA-sanctioned tournament. India had initially agreed to FIFA's invitation to feature in the competition and were placed in Division 1 Group A alongside Indonesia, Malaysia and Singapore. Cabo Verde and Iran are among the teams reportedly being discussed for possible fixtures.

Lionel Messi returns to action as substitute for first time since father Jorge's death

Lionel Messi returned to action for Inter Miami on Thursday morning, just days after attending the funeral of his father Jorge in Argentina. The 39-year-old came on at half-time during Miami's 3-2 defeat to Leon in their final Leagues Cup group match. His appearance followed an emotional period for Messi, whose father died in Rosario last week at the age of 68 after a prolonged illness. Messi had missed Miami's 2-1 defeat by Monterrey but made himself available for coach Guillermo Hoyos against Leon. The result nevertheless ended Miami's participation in the competition at the opening stage, which is a first since the Leagues Cup was expanded in 2023. Notably, Messi joined the Miami squad after travelling to Argentina for the private funeral on Sunday. His return to the field came amid uncertainty over whether he intends to continue playing for much longer. In a social media message following his father's death, Messi indicated that he was weighing his future in the sport. "I'm really not sure if I'll carry on doing it for much longer," Messi wrote. Jorge played a central role throughout Messi's career. He had been his son's agent since Messi was 14 and remained alongside him as the forward developed into one of football's most decorated players. He was also there when Messi led Argentina to World Cup glory in 2022.

'Technology saved me': Steve Smith admits edging Edabot Hossain's delivery after day 1 of ongoing BAN Test

Australia kicked off their two-game Test series against Bangladesh by taking on the side for the first Test of the series at the Marrara Stadium, Darwin, from August 13th. The clash began with Australia coming in to bat first, and Australia was left stunned. Bangladesh put forth a marvellous performance with the ball and limited the hosts to just 198 runs in the first innings. The side's entire batting lineup collapsed, and if not for Steve Smith's resilient knock of 71 off 109 deliveries, Australia's situation would have been even worse. However, there were many talking points from Steve Smith's innings that stood out, with the biggest one being given not out off a review. In a moment that happened in the 21st over, Smith faced Edabot Hossain, and the delivery took an edge off his bat as it went through to the keeper. As Bangladesh's players celebrated, the umpire said no, and even after going for a review, the DRS showed no edge. Speaking on the same, Smith came forward and admitted that he did feel something nick his bat in the moment and that he would have walked off if the umpire had given it out. "I think so, yeah. Was I lucky? Yeah, it seems that way. You've got to take it sometimes. Normally, it's [the DRS] pretty good. Maybe I didn't nick it. I don't know. But I certainly felt something. If I'd been given out, I was going to walk off. But yeah, technology saved me today, I guess," Steve Smith said after day 1.

Speaking of the game between Australia and Bangladesh, the visitors managed to limit the Aussies to a score of 198 runs in the first innings. Hasan Mahmud was the star performer for his side in the first innings with six wickets to his name. Taskin Ahmed and Edabot Hossain took two wickets each as well. Coming out to bat, Bangladesh ended day 1 of the clash on a score of 96/1, dominating Australia in every department, and the side has continued their brilliance onto day 2 as well, having scored 175 runs for the loss of two wickets by 50 overs. Australia have been handed a major setback in the opening Test against Bangladesh, with the visitors continuing to dominate proceedings at the Marrara Stadium in Darwin. The two sides began their two-match Test series on August 13, with Australia winning the toss and opting to bat first. However, Bangladesh's bowlers produced a remarkable performance to dismiss the hosts for just 198 runs.

Vinay Kumar named new Karnataka head coach ahead of upcoming domestic season

In a major development, the KSCA (Karnataka State Cricket Association) has come forward and named former India cricketer Vinay Kumar as Karnataka's head coach ahead of the upcoming domestic season. At 42 years old, Vinay Kumar will be taking over the role and will hope to put in his best performance. It is worth noting that Deepak Chougule will be part of his support staff as the fielding coach. Notably, this will be Vinay Kumar's first coaching role at Karnataka, as he was also recently the head coach of Hubli Tigers in the Maharaja T20 Trophy. As for his experience overseas, the former cricketer was a bowling coach for MI Emirates in the ILT20 and was the talent scout for Mumbai Indians in the IPL after his retirement from cricket in 2021. As for his performances in the Ranji Trophy, it is interesting to note that Vinay Kumar remains the fifth-highest wicket-taker in the tournament with a whopping 442 wickets to his name.

In 139 First-Class matches in his career, Vinay Kumar took a total of 504 wickets at an average of 22.44 runs. Having played one Test and 31 ODI matches for the Indian team, the former seamer has vast experience to his name in the IPl as well, having won the tournament three times with Kolkata Knight Riders (2014) and Mumbai Indians (2015, 2017). After his appointment as Karnataka's head coach was made official, Vinay Kumar took centre stage and talked about how big an honour it is for him to take over as the head coach of the side. "It is a privilege to lead Karnataka, first as a captain, and now as a head coach. I'm really thankful to KSCA for giving me this opportunity. We achieved great results back then, but now it is a different ball game as a coach.

England lift midnight curfew after Ben Stokes' international retirement, Joe Root confirms

Following England's Ashes defeat in Australia, the management introduced a midnight curfew for players during any series. The decision was made after controversy involving Harry Brook at a nightclub in Australia. However, just one series later, the policy came under scrutiny when former captain Ben Stokes and Gus Atkinson were spotted at a London nightclub after England's victory over New Zealand in the first Test at Lord's. The incident sparked further controversy after an ECB staff member was injured and required stitches. Since then, Stokes announced his retirement from international cricket.

Right after that, new England captain Joe Root confirmed that the midnight curfew has been lifted, which was set just seven months ago. The decision has been made before England's first Test against Pakistan at Headingley next week. "Let's be adults. There's not going to be a curfew.

I don't think this needs to be a big deal, to be honest," Root told Sky Sports. The decision to scrap the curfew marks a partial reversal of the behavioural guidelines introduced last month. Any drinking during this period was discouraged in public.

Mitchell Starc sets new world record in first Test against Bangladesh in Darwin

On International Left-Handers Day, Mitchell Starc produced a milestone perfectly suited to the occasion.

The Australian quick dismissed Shadman Islam for 20 runs in Darwin to move to 434 Test wickets, surpassing Sri Lanka's Rangana Herath, who claimed 433 wickets, to become the most prolific left-arm bowler in Test history.

Starc's achievement is another remarkable chapter in his legendary career. His 434 wickets now put him ahead of Herath, with Wasim Akram (414), Daniel Vettori (362) and Chaminda Vaas (355) completing the top five. Starc's record came on a day when Australia had already been rocked by a remarkable bowling display from Bangladesh. Hasan Mahmud led the charge as the 26-year-old registered career-best figures of 6/55 from 17 overs.

Ashleigh Gardner breaks silence after ex-wife's explosive criticism over alleged affair with teammate

Australia women's vice-captain Ashleigh Gardner has addressed the personal fallout from the breakdown of her marriage after allegations concerning a relationship with teammate Georgia Voll became public. Gardner's ex-wife Monica Wright had criticised Cricket Australia over what she described as a lack of public action regarding the alleged affair. Wright questioned whether the governing body had adequately addressed the matter involving one of its senior players. "I think if you're privileged enough to represent your country and be seen as a role model, there's a responsibility to hold yourself to a high moral standard. What I can't understand is why Cricket Australia hasn't said anything publicly," Wright told Code Sports. Gardner subsequently acknowledged the situation publicly through an Instagram story, while making clear that the separation from Wright remained a personal matter. She also thanked the CA Board for continuing to support her leadership role and expressed regret over the hurt caused by the breakdown of the marriage. Cricket Australia chief executive Todd Greenberg has meanwhile defended Gardner's position within the women's team. Greenberg said Gardner remained highly regarded within the organisation.

How did solar eclipse captivate cricket, football, F1 fans across Europe?

Sporting venues across England, Austria and Spain were transformed by an unusual celestial display on Wednesday evening as a partial solar eclipse drew the attention of spectators, athletes and fans.

At Edgbaston, supporters watching Birmingham Phoenix take on MI London in The Hundred were among those able to witness the Moon cover more than 90 per cent of the Sun. The daylight faded dramatically as the eclipse reduced the Sun to a narrow crescent of visible light, creating an eerie atmosphere inside the cricket ground. Many spectators used special glasses to safely view the event, which was the fullest eclipse visible over British skies since 1999. When it comes to the match, London won the match by two runs. Meanwhile, the spectacle extended beyond Britain.

छह महीने के बाद बच्चे की डाइट में शामिल करें ये तीन चीजें, ब्रेन डेवलपमेंट में मिलेगी मदद

बच्चे की सेहत और विकास को लेकर हर माता-पिता काफी चिंता में रहते हैं। जब बच्चा छह महीने का होता है और उसे धीरे-धीरे ठोस आहार देना शुरू किया जाता है, तब माता-पिता के लिए यह समझना बेहद जरूरी होता है कि उसकी प्लेट में किन-किन चीजों को जगह दी जाए। इस उम्र में सिर्फ पेट भरना ही काफी नहीं होता बल्कि ऐसा पौष्टिक खाना देना जरूरी होता है, जो बच्चे की शारीरिक और मानसिक विकास में अहम भूमिका निभाए। बच्चे का मानसिक विकास उसके खान-पान, नींद, खेल, बातचीत, आसपास के माहौल और देखभाल समेत कई चीजों पर निर्भर करता है। लेकिन अगर कुछ पोषक खाद्य पदार्थ उसकी डाइट में शामिल कर दें, तो विकास बेहतर तरीके से होता है। अखरोट से तैयार प्यूरी या पाउडर- अखरोट को बच्चों के लिए पोषक आहार माना जाता है। इसमें हेल्दी फैट्स पाए जाते हैं और यह प्लांट-बेस्ड ओमेगा-3 फैटी एसिड का भी स्रोत है। ओमेगा-3 फैट शरीर और दिमाग के सामान्य विकास के लिए महत्वपूर्ण पोषक तत्वों में शामिल है। इसके अलावा अखरोट में एंटीऑक्सीडेंट कंपाउंड भी पाए जाते हैं। छह महीने के बाद बच्चे को अखरोट सीधे टुकड़ों के रूप में देने के बजाय बहुत बारीक पिसे हुए रूप में देना सही रहता है। अखरोट को हल्का भूनकर उसका पाउडर तैयार करें। इसे बच्चे के लिए बनाए गए दलिया, दही या किसी फल की प्यूरी में थोड़ी मात्रा में मिलाए। बता दें कि साबुत या बड़े टुकड़ों में मेवे छोटे बच्चों के लिए चोकिंग का खतरा पैदा कर सकते हैं। इसलिए उनकी बनावट बच्चे की उम्र और निगलने की क्षमता के अनुसार ही रखें। पहली बार कोई नया खाद्य पदार्थ देते समय एलर्जी के संभावित लक्षणों पर भी नजर रखना जरूरी है। अंडा भी पौष्टिक विकल्प- अंडा भी बच्चे की डाइट में शामिल किया जा सकने वाला पोषक खाना है।

पीडियाट्रिशियन ने बताया किस उम्र तक बच्चों को कराना चाहिए ब्रेस्टफीडिंग

जब एक बच्चा इस दुनिया में कदम रखता है, तो वह बेहद नाजुक और मासूम होता है। ऐसे में बच्चों को सही पोषण मिलना बेहद जरूरी है। नवजात शिशु के लिए मां का दूध केवल भोजन नहीं, बल्कि उसके जीवन का पहला और सबसे अमूल्य उपहार है। शुरुआती महीनों में शिशु पूरी तरह से मां के दूध पर ही आश्रित होता है। मां का दूध नवजात शिशु के लिए एक 'संपूर्ण आहार' माना जाता है। इसमें पानी, प्रोटीन, फैट, विटामिन और खनिज सही मात्रा में मौजूद होते हैं। जन्म के शुरुआती 6 महीनों तक शिशु को पानी की भी अलग से जरूरत नहीं होती, क्योंकि मां का दूध उसकी प्यास और भूख दोनों को पूरी तरह से शांत करता है। लेकिन कई मांओं के मन में ये सवाल रहता है कि बच्चों को किस उम्र तक ब्रेस्टफीडिंग कराना चाहिए।

ऐसे में पीडियाट्रिशियन रवि मलिक ने बताया है कि किस उम्र तक ब्रेस्टफीडिंग कराना जरूरी है। डॉ. रवि मलिक का कहना है कि जन्म से लेकर 6 महीने की उम्र तक बच्चे को सिर्फ और सिर्फ मां का दूध ही देना चाहिए।

इस दौरान बच्चे को पानी की एक बूंद भी देने की जरूरत नहीं होती, क्योंकि मां का दूध पोषण और हाइड्रेशन दोनों की पूर्ति करता है।

6 महीने पूरे होने के बाद बच्चे की शारीरिक जरूरतें बढ़ती हैं।

ऐसे में स्तनपान जारी रखते हुए बच्चे को उम्र के हिसाब से दलिया, खिचड़ी, प्यूरी आदि देना शुरू करना चाहिए। हालांकि उन्होंने ये भी कहा कि बच्चे को कम से कम 2 साल की उम्र तक स्तनपान जरूर कराना चाहिए।

यदि मां और बच्चा दोनों सहज महसूस करते हैं, तो इसे 3 साल की उम्र तक भी आगे बढ़ाया जा सकता है। इससे कोई नुकसान नहीं होता। मां के दूध में नेचुरल एंटीबॉडीज होती हैं, जो बच्चे को संक्रमणों, निमोनिया और अस्थमा जैसी बीमारियों से बचाती हैं।

केला खाने का सही समय कौन सा? सुबह, खाली पेट या रात, जानिए क्या कहता है विज्ञान

बहुत से लोग केले को नाश्ते, वर्कआउट से पहले या बाद में और कभी-कभी रात की हल्की भूख के समय भी खा लेते हैं। इसको लेकर सोशल मीडिया में कई तरह की धारणाएं मौजूद हैं। कोई इसे सुबह खाली पेट खाने की सलाह देता है तो कोई रात में केला खाने को नुकसानदायक बताता है, लेकिन वैज्ञानिक नजरिए से देखें तो केले को खाने का कोई एक समय नहीं है। केला एक आम फल है, जो कार्बोहाइड्रेट, फाइबर, पोटैशियम और विटामिन बी6 जैसे पोषक तत्वों से भरपूर है। इसे आप अपनी सहूलियत और शरीर की जरूरत के हिसाब से खा सकते हैं। अमेरिकी नेशनल इंस्टीट्यूट्स ऑफ हेल्थ के अनुसार , एक केले में करीब 422 मिलीग्राम पोटैशियम और 0.4 मिलीग्राम विटामिन बी6 होता है। पोटैशियम नसों और मांसपेशियों के काम और शरीर में पानी के संतुलन के लिए जरूरी है, जबकि विटामिन बी6 प्रोटीन के इस्तेमाल और कई एंजाइम संबंधी प्रक्रियाओं में मदद करता है। केले में कार्बोहाइड्रेट भी अच्छी मात्रा में होता है। इसी वजह से जिम जाने वाले और खिलाड़ी इसे स्नैक के तौर पर खाना पसंद करते हैं। इससे तुरंत ऊर्जा मिलती है, लेकिन सिर्फ केला खाने से शरीर की सभी पोषक जरूरतें पूरी नहीं होंगी। इसे संतुलित भोजन का एक हिस्सा मानना बेहतर है। अगर खाली पेट केला खाना सही है या गलत, तो अगर किसी को सुबह केला खाने से कोई परेशानी नहीं होती, तो इसे नाश्ते में शामिल किया जा सकता है। वहीं जिन लोगों को खाली पेट फल खाने के बाद पेट फूलने या भारीपन जैसी समस्या महसूस होती है, वे ब्रेड, ओट्स या दही के साथ ले सकते हैं। केला-दूध का शेक या स्मूदी बहुत आम है। केला कार्बोहाइड्रेट देता है, जबकि दूध प्रोटीन और अन्य पोषक तत्व उपलब्ध कराता है। अगर किसी व्यक्ति को दूध और केला दोनों आसानी से पचते हैं तो यह कॉम्बिनेशन सामान्य डाइट का हिस्सा हो सकता है। समस्या तब आती है जब किसी को लैक्टोज से दिक्कत होती है। ऐसे में गैस या पेट फूलने की शिकायत हो सकती है लेकिन इसका इस स्थिति को सिर्फ केले से जोड़ना सही नहीं होगा। रात में केला खाने से कोई न लेकिन अगर रात में खाने के बाद पेट भारी लगता है, तो इसे दिन में लेना बेहतर रहेगा। डायबिटीज और किडनी के मरीजों को थोड़ी सावधानी रखनी चाहिए। किडनी की बीमारी में शरीर से अतिरिक्त पोटैशियम बाहर निकालना मुश्किल हो जाता है।

रोज 20 मिनट वॉक करने से दिमाग पर कैसा असर पड़ता है? हार्ट सर्जन ने गिनाए शॉर्ट और लॉन्ग टर्म फायदे

वॉक और एक्सरसाइज को फिट बॉडी और हेल्दी शरीर से जोड़कर देखा जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं इसका सीधा असर आपकी दिमाग पर भी पड़ता है। बोर्ड-सर्टिफाइड हार्ट सर्जन डॉक्टर जेरेमी लंदन ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर कर बताया कि एक्सरसाइज से दिमाग को कई फायदे मिल सकते हैं। उन्होंने इसे डिप्रेशन से बचाव के लिए सबसे कम आंकी गई आदतों में से एक बताया। डॉक्टर लंदन कहते हैं अगर आप अपनी मानसिक सेहत को लेकर परेशान हैं, तो शारीरिक गतिविधि उसे कंट्रोल करने में आपकी मदद कर सकती है। जिन दिनों आपका मन बिल्कुल भी हिलने-डुलने का नहीं करता, अक्सर उन्हीं दिनों आपको इसकी सबसे ज्यादा जरूरत होती है। उन्होंने आगे कहा, "याद रखें, कार्डियो ट्रेनिंग सिर्फ़ आपके दिल के लिए नहीं है। रेजिस्टेंस ट्रेनिंग सिर्फ़ आपकी मांसपेशियों के लिए नहीं है। जो चीज़ आपके दिल के लिए अच्छी है, वह आपके दिमाग के लिए भी अच्छी है। और एक्सरसाइज़ हमारे दिमाग की सेहत को सुरक्षित रखने और बनाए रखने के सबसे शक्तिशाली तरीकों में से एक है। अगर आप कुछ दिनों तक बीस मिनट वॉक करते हैं तो इससे कोर्टिसोल लेवल कम होता है। यह आपको तनाव पूर्ण स्थिति से निपटने वाले मोड से बाहर निकालता है। लगातार एक ही बात सोचते रहने को रोकता है और नकारात्मक विचारों के चक्र से बाहर निकलने में मदद करता है। सुबह और दोपहर की धूप शरीर की बायोलॉजिकल घड़ी (सर्केडियन रिदम) और मूड को ठीक रखने में मदद करती है। डॉक्टर लंदन के अनुसार, रोज़ाना 20 मिनट तक वॉक करने से डिप्रेशन होने का ख़तरा 25 प्रतिशत कम हो जाता है। यहां तक कि 10 मिनट टहलने से भी यह ख़तरा 18 प्रतिशत कम हो जाता है। एंग्जायटी डिसऑर्डर होने का ख़तरा लगभग 29 प्रतिशत कम हो जाता है। साथ ही लंबे समय में अल्ज़ाइमर और पार्किंसंस का ख़तरा कम होता है। उन्होंने कहा, 'जब आप एक्सरसाइज़ करते हैं, तो आपका दिमाग ब्रेन-डिराइव्ड न्यूरोट्रॉफ़िक फ़ैक्टर नाम की चीज़ बनाता है। इसे खाद की तरह समझें। यह दिमाग की कोशिकाओं के बीच कनेक्शन को बेहतर बनाता है और उन्हें बढ़ने में मदद करता है।

सेब से भी ज्यादा ताकतवर है यह एक फल, कार्डियोलॉजिस्ट ने डाइट में शामिल करने की दी सलाह

शरीर को हेल्दी रखने के लिए एक्सपर्ट अक्सर सेब खाने की सलाह देते हैं। हालांकि, अमरूद एक ऐसा फल भी है जो सेब की तुलना में सस्ता होने के साथ कई पोषक तत्वों से भरपूर है। इसमें मौजूद विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट सेहत के लिए फायदेमंद हो सकते हैं और पोषण के मामले में यह फल सेब को भी कड़ी टक्कर देता है। साओल हार्ट सेंटर के संस्थापक और एमबीबीएस, एमडी डॉ. बिमल छाजेर ने अपने यूट्यूब वीडियो में बताया कि अमरूद को डाइट में शामिल करने की सलाह दी है। आइए जानते हैं इस फल के फायदे और इसे खाने का सही तरीका। डॉक्टर बिमल छाजेर कहते हैं कि अमरूद कई पोषक तत्वों से भरपूर है। इसमें विटामिन, मिनिरल्स, एंटी ऑक्सीडेंट्स और फाइबर होता है और कैलोरी बहुत कम होती है। एक 100 ग्राम का मीडियम साइज़ अमरूद अगर आप रोज कहते हैं तो इससे आपके शरीर को ये सभी न्यूट्रिएंट्स मिलेंगे।

हार्ट हेल्दी होता है: अगर आप रोजाना एक मीडियम साइज़ का अमरूद खाते हैं तो इससे आपका हार्ट हेल्दी होता है। हाई फाइबर और पोटेशियम से भरपूर होने की वजह से बैड कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। इसमें मौजूद एंटी ऑक्सीडेंट्स ब्लड वेसल्स को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाता है और हार्ट को हेल्दी रखता है।

इम्यून होता है बूस्ट: अमरूद में मौजूद विटामिन सी आपके कमजोर इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है। तो अगर आप बहुत जल्दी बीमार पड़ते हैं तो यह आपकी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। यह आपके शरीर की रक्षा शक्ति को बढ़ाता है।

यदि किसी को कुत्ता काटने से रेबीज हो जाए तो क्या पूरी तरह ठीक हो सकता है?

रेबिज एक गंभीर और घातक संक्रामक बीमारी है, जो मुख्य रूप से संक्रमित जानवरों के काटने, खरोंचने या उनकी लार के संपर्क में आने से इंसानों में फैलती है। यह लीसावायरस नामक विषाणु के कारण होता है, जो सीधे शरीर के सेंट्रल नर्वस सिस्टम और मस्तिष्क पर हमला करता है। यदि समय पर इसका उपचार न किया जाए, तो लक्षण दिखाई देने के बाद यह बीमारी 100% घातक साबित होती है। हालांकि, सही समय पर देखभाल और टीकाकरण इससे बचा जा सकता है।

लेकिन एक सवाल जो कई लोगों के मन में रहता है वो है कि यदि किसी को कुत्ता काटने से रेबीज हो जाए तो क्या पूरी तरह ठीक हो सकता है या नहीं। अगर आपके मन में भी ये सवाल है तो ये आर्टिकल आपके लिए है। डॉ. नेहा रस्तोगी, सीनियर कंसल्टेंट, संक्रामक रोग विभाग, फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट, गुरुग्राम बता रही हैं कि क्या रेबीज पूरी तरह ठीक हो सकता है या नहीं। रेबीज को लेकर सबसे जरूरी बात यह समझना है कि बीमारी के लक्षण दिखाई देने के बाद यह लगभग हमेशा जानलेवा होती है। एक बार रेबीज हो जाने पर मृत्यु की आशंका लगभग तय मानी जाती है। इसलिए इसका इलाज तभी संभव है जब कुत्ते के काटने के बाद बचाव के कदम उठाए जाए। कुत्ते के काटने या खरोंच लगने पर घाव को तुरंत साबुन और पानी से करीब 15 मिनट तक अच्छी तरह धोना चाहिए। इसके बाद डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है, ताकि घाव की स्थिति और संपर्क के तरीके के आधार पर टीके तथा जरूरत पड़ने पर रेबीजरोधी इम्युनोग्लोबुलिन देने का निर्णय लिया जा सके।

किडनी खराब होने पर शरीर में दिखने लगते हैं ये लक्षण

शरीर में किडनी का काम होता है कि बॉडी से अतिरिक्त पानी के साथ विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालना। लंबे समय तक खराब लाइफस्टाइल और डाइट के कारण किडनी पर संकट मंडराने लगता है। आजकल कम उम्र में ही लोगों को किडनी से जुड़ी समस्याएं होने लगी हैं। कम उम्र में ही किडनी संबंधी समस्याओं होने पर आगे चलकर किडनी फेल होने का खतरा भी बढ़ जाता है। स्वामी रामदेव के अनुसार किडनी फेल होने से पहले शरीर कई संकेत देता है। जिससे आप आसानी से पहचान सकते हैं कि आपकी किडनी की स्थिति क्या है। साथ ही नियमित रूप से प्राणायाम और योगासन करने से भी किडनी को स्वस्थ रखा जा सकता है। इस प्राणायाम से शरीर में ऑक्सीजन का प्रवाह ठीक तरीके से होता है। भस्त्रिका करने से डायबिटीज और कई दूसरी बीमारियों से निजात मिलती है। शुरू में एक मिनट करें और फिर तीन मिनट तक रोजाना ये प्राणायाम करें। रोजाना कलापभाति करने से पैंक्रियाज के बीटा सेल्स फिर से एक्टिव हो जाते हैं। शरीर में इंसुलिन तेजी से बनता है और ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है। कपालभाति करने से मेटाबॉलिज्म बढ़ता है। किडनी के लिए भी कपालभाति फायदेमंद होता है। रोजाना प्राणायाम करने से किडनी, डिप्रेशन, हार्ट और कई दूसरी बीमारियों को दूर रखा जा सकता है।

घुटनों, कूल्हों और रीढ़ को मजबूत बनाता है भद्रासन, बरतें ये सावधानियां

प्राचीन काल से योग हमारी संस्कृत्ति का अभिन्न हिस्सा रहा है। योग के अनेकों आसनों में भद्रासन काफी महत्व रखता है। यह आसन देखने में जितना आसान लगता है, उतना ही शरीर के लिए फायदेमंद होता है। संस्कृत में 'भद्र' का अर्थ होता है 'कल्याणकारी' या 'शुभ'। इसलिए इसे कल्याणकारी आसन भी कहा जाता है। यह आसन न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक शांति के लिए भी बहुत लाभकारी माना जाता है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अनुसार, यह आसन घुटनों, कूल्हों और रीढ़ की हड्डी को मजबूत करता है। यह मासिक धर्म की ऐंठन को कम करने, गुर्दे, और प्रोस्टेट के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में भी प्रभावी है। महिलाओं के लिए भद्रासन विशेष रूप से फायदेमंद है। गर्भवती महिलाओं के लिए यह आसन कूल्हों और जांघों की मांसपेशियों को मजबूत करता है, जिससे प्रसव आसान होता है। यह मासिक धर्म की तकलीफों को कम करने और तनाव को दूर करने में भी मदद करता है। ये आसन जांघों, घुटनों, टखनों और पेल्विस यानी कूल्हे के पास की मांसपेशियों को अच्छे से खींचता है, मजबूत बनाता है और लंबा करता है। रीढ़ की हड्डी सीधी करता है। इस आसन में आप अपने बैठने वाली हड्डियों को जमीन पर टिकाते हैं।

क्या दौड़ने से घुटने खराब हो जाते हैं, आगे चलकर गठिया हो सकता है?

क्या आपको भी लगता है कि दौड़ने से घुटने घिस जाते हैं और आगे चलकर गठिया जैसी बीमारी हो सकता है? लोगों में घुटनों से जुड़ी ये सबसे आम गलतफहमियों में से एक है। सच यह है कि सही तरीके और अपने शरीर के हिसाब से की गई एक्सरसाइज आमतौर पर स्वस्थ घुटनों के लिए नुकसानदायक नहीं होती। आइए डॉक्टर से जानते हैं क्या वाकई दौड़ने से बुढ़ापे में घुटने खराब हो जाते हैं। अपोलो हॉस्पिटल्स के न्यूरोलॉजिस्ट डॉक्टर सुधीर कुमार ने X पर एक पोस्ट शेयर किया है जिसमें उन्होंने बताया है कि हमारे जोड़ चलने-फिरने के लिए बने हैं।

घुटनों और कूल्हों को पूरी तरह इस्तेमाल करने से बचना जरूरी नहीं है। जरूरी यह है कि उन्हें सही तरीके से और अपनी क्षमता के हिसाब से आप इस्तेमाल करें। नियमित एक्सरसाइज करें, मांसपेशियों को मजबूत बनाएं, वजन को कम रखें और चोट से बचने की कोशिश करें।

यही लंबे समय तक अपने घुटनों और कूल्हों को स्वस्थ रखने का बेहतर तरीका है। डॉक्टर का कहना है कि दौड़ने से घुटने खराब हो जाते हैं ये पूरी तरह मिथक है। सामान्य तौर पर देखा गया है कि दौड़ने वाले लोगों में घुटने या कूल्हे के गठिया का खतरा उन लोगों से ज्यादा नहीं है जो बिल्कुल एक्सरसाइज नहीं करते।

मानसून में क्यों हो जाती है ऑयली स्किन, क्या बार-बार चेहरा धोना है इससे बचने का उपाय

बारिश के मौसम में हवा में नमी बढ़ जाती है। ऐसे में त्वचा चिपचिपी, पसीने वाली और ज्यादा ऑयली लगने लगती है। ऐसी त्वचा को देखकर अक्सर लगता है कि हवा में इतनी नमी है तो त्वचा भी पर्याप्त हाइड्रेट होगी। लेकिन ऐसा जरूरी नहीं है। स्किनकेयर एक्सपर्ट शाइली मेहरोत्रा के मुताबिक, हवा में ज्यादा नमी होने से त्वचा से पानी का बाहर निकलना कुछ कम हो सकता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि त्वचा अंदर से पूरी तरह हाइड्रेटेड है। मानसून में ऑयली स्किन, बंद पोर्स, पिंपल्स, संवेदनशील त्वचा और डिहाइड्रेशन जैसी कई समस्याएं एक साथ हो सकती हैं। इसलिए इस मौसम में समझना सबसे जरूरी है कि त्वचा का ऑयली होना और हाइड्रेटेड होना अलग-अलग चीजें हैं। बारिश के मौसम में गर्मी और नमी के कारण पसीना जल्दी सूख नहीं पाता। वहीं, त्वचा का प्राकृतिक तेल यानी सीबम भी ज्यादा देर तक त्वचा की सतह पर बना रहता है। जब पसीना और तेल त्वचा पर जमा धूल, मेकअप और प्रदूषण के साथ मिलते हैं, तो पोर्स बंद हो सकते हैं और पिंपल्स या एक्ने की समस्या बढ़ सकती है। यह परेशानी खासतौर पर ऑयली या एक्ने-प्रोन स्किन वालों में ज्यादा देखने को मिलती है। लेकिन यहां एक जरूरी बात समझना जरूरी है। तेल और पानी एक चीज नहीं हैं। त्वचा पर तेल की परत होने का मतलब यह नहीं है कि त्वचा के अंदर पर्याप्त पानी भी है। इसलिए त्वचा ऊपर से ऑयली दिख सकती है, लेकिन अंदर से ड्राई, खिंची हुई या संवेदनशील महसूस हो सकती है। शाइली मेहरोत्रा के मुताबिक, यह समस्या तब और बढ़ सकती है जब लोग ऑयली स्किन देखकर बार-बार चेहरा धोने लगते हैं या बहुत ज्यादा ऑयल-कंट्रोल प्रोडक्ट इस्तेमाल करने लगते हैं। जब चेहरा चिपचिपा लगे तो उसे बार-बार धोने का मन करता है। लेकिन ऐसा करना हमेशा सही नहीं होता। बार-बार चेहरा धोने से त्वचा का प्राकृतिक तेल निकल सकता है और स्किन बैरियर कमजोर हो सकता है। इससे त्वचा ज्यादा संवेदनशील हो सकती है और नमी भी जल्दी खो सकती है। इसलिए पहले त्वचा के ऑयल को कम करने के लिए बार-बार चेहरा धोया जाता है और बाद में स्किन में जलन, ड्राईनेस और डिहाइड्रेशन की समस्या होने लगती है। डॉक्टर राहुल चौधरी के अनुसार, ज्यादा नमी वाले मौसम में त्वचा नम और पसीने वाली महसूस हो सकती है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वह अंदर से हाइड्रेटेड है। इसलिए चिपचिपाहट दूर करने के लिए बार-बार चेहरा धोने से बचना चाहिए। मानसून में हम दिनभर अलग-अलग वातावरण में रहते हैं। कुछ समय गर्म और नम मौसम में बाहर रहने के बाद AC वाले ऑफिस, कार या घर में चले जाते हैं। खासकर तब जब स्किन बैरियर पहले से कमजोर हो।

बार काउंसिल का यू-टर्न, NALSAR यूनिवर्सिटी के लॉ ग्रेजुएट्स की प्रैक्टिस पर लगी रोक हटाई

नेशनल एकेडमी ऑफ लीगल स्टडीज एंड रिसर्च (NALSAR) यूनिवर्सिटी, हैदराबाद के 2026 बैच के छात्रों को बड़ी राहत मिली है। दरअसल, बार काउंसिल ऑफ इंडिया (BCI) ने छात्रों के खिलाफ चल रही कार्रवाई को पूरी तरह बंद करने का फैसला किया है। अब इस मामले में छात्रों के खिलाफ कोई और कार्रवाई नहीं होगी। बीसीआई ने गुरुवार को चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा के उस पुराने निर्देश में बदलाव किया, जिसमें स्टेट बार काउंसिल्स को NALSAR यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ के 2026 बैच के ग्रेजुएट्स को वकील के तौर पर एनरोल करने से रोका गया था। बीसीआई ने यह बदलाव तब किया जब उन्हें पता चला कि ज्यादातर छात्र बेकसूर थे और उनकी यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) सूर्यकांत के चीफ गेस्ट बनाने का विरोध करने वाले कैंपेन में शामिल होने की कोई मंशा नहीं थी। बीसीआई ने कहा कि सीनियर वकीलों, बार के सदस्यों, कानून के छात्रों और आम लोगों से मिली राय और प्रतिक्रियाओं पर विचार किया गया। इसके बाद यह पाया गया कि NALSAR के 2026 बैच के छात्रों का किसी भी तरह के विवाद, आंदोलन या गड़बड़ी में कोई रोल नहीं था। बीसीआई ने छात्रों को उनके करियर के लिए शुभकामनाएं दी हैं। साथ ही उन्हें सलाह दी कि कानून की पढ़ाई पूरी करने के बाद जब वे वकील बनेंगे, तो वे देश की न्याय व्यवस्था का अहम हिस्सा होंगे। बीसीआई ने कहा कि छात्रों को अपनी बात और अपनी राय खुलकर रखनी चाहिए, लेकिन ऐसा करते समय कानून की संस्थाओं और उनके पद की गरिमा का सम्मान भी करना चाहिए। BCI ने कहा कि देश की सबसे बड़ी अदालत और उसका प्रमुख न्यायिक पद सभी के लिए गर्व की बात है। लोकतंत्र में किसी फैसले से असहमति जताना गलत नहीं है। लोग अपनी बात रख सकते हैं और सवाल भी उठा सकते हैं। हालांकि, संवैधानिक संस्थाओं का सार्वजनिक तौर पर मजाक उड़ाना या उनका अपमान करना सही तरीका नहीं है। इससे किसी मुद्दे को सुलझाने के बजाय मामला और बिगड़ सकता है। बीसीआई ने साफ किया कि NALSAR के 2026 बैच के छात्रों के खिलाफ अब आगे कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

NALSAR यूनिवर्सिटी के करीब 450 स्टूडेंट्स ने 2026 दीक्षांत समारोह में CJI सूर्यकांत को मुख्य अतिथि बनाने का विरोध किया।

छात्रों ने NEET विवाद और हालिया कॉकरोच जनता पार्टी के जंतर-मंतर प्रोटेस्ट के दौरान हुए घटनाक्रमों को लेकर यह आपत्ति जताई है।

2026 बैच के छात्रों के एक ग्रुप ने यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर, रजिस्ट्रार, फैकल्टी सदस्यों और प्रशासन के अन्य सदस्यों को लेटर लिखा जिसमें उन्होंने CJI को मुख्य अतिथि के तौर पर बुलाने के फैसले पर फिर से विचार करने की अपील की।

बता दें यूनिवर्सिटी में यह परंपरा रही है कि हर दीक्षांत समारोह में CJI का भाषण होता है।

लेकिन छात्रों के लेटर के मुताबिक, उनका विरोध सुप्रीम कोर्ट में प्रदर्शन से जुड़ी याचिकाओं की सुनवाई के दौरान हुई घटनाओं को लेकर है। छात्रों का कहना है कि संवैधानिक जवाबदेही और अकादमिक स्वतंत्रता महत्वपूर्ण हैं।

करवट बदल रहा मानसून, कहीं झमाझम बारिश, कहीं उमस करेगी परेशान

भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने बताया कि बुधवार, 12 अगस्त को पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के तटों के पास बना नया सिस्टम अगले 12 घंटों में स्पष्ट रूप से चिह्नित कम दबाव वाला क्षेत्र बन सकता है और फिर अगले 24 घंटों में और मजबूत होकर 'डिप्रेशन' यानी कम दबाव वाले क्षेत्र में बदल सकता है। गुरुवार, 13 अगस्त को भारत में एक बार फिर बड़े पैमाने पर मॉनसून की बारिश होने की संभावना है, क्योंकि बंगाल की खाड़ी के उत्तरी हिस्से में बना कम दबाव का नया सिस्टम मजबूत होकर जमीन की ओर बढ़ने की उम्मीद है। इस सिस्टम के मजबूत होने के बाद पश्चिम बंगाल और उससे सटे बांग्लादेश से होते हुए उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने की उम्मीद है। इससे आने वाले दिनों में देश के पूर्वी और मध्य हिस्सों में बारिश हो सकती है। बारिश का मौसम का पैटर्न तय करने में अहम भूमिका बनी रहेगी, लेकिन देश के कुछ हिस्सों में मौसम दूसरों के मुकाबले बेहतर हो सकता है। गुरुवार को दिल्ली में मौसम अपेक्षाकृत शांत और सुहावना रहने की संभावना है, हालांकि बारिश की गुंजाइश बनी हुई है।

हंगामों की बारिश में धुल गया संसद का मॉनसून सत्र, राहुल गांधी ने PM मोदी और अमित शाह का उड़ाया मजाक

नई दिल्ली। संसद का मॉनसून सत्र शुक्रवार को हंगामे के बीच अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया। पूरे सत्र में विपक्ष के विरोध और नारेबाजी का मुद्दा सबसे ज्यादा चर्चा में रहा। दोनों सदनों के निर्धारित कामकाज का करीब 80 फीसदी समय हंगामे की भेंट चढ़ गया। इस दौरान जनता के करीब 142 करोड़ रुपये खर्च हुए, लेकिन कई महत्वपूर्ण विधेयकों पर विस्तार से चर्चा नहीं हो सकी। हालांकि, सरकार ने अपने विधायी कामकाज का बड़ा हिस्सा पूरा किया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के मुताबिक, विपक्ष के हंगामे के बावजूद सरकार ने 12 विधेयक पारित कराए। उन्होंने कहा कि नुकसान उन सांसदों का हुआ जो अपने क्षेत्रों के मुद्दे उठाना और गंभीर चर्चा करना चाहते थे। सत्र के आखिरी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत एनडीए के कई बड़े नेता सदन में मौजूद थे। इसके बावजूद सदन के बाहर विपक्षी सांसदों का विरोध जारी रहा। सुबह 11 बजे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला सदन में पहुंचे। विपक्षी सांसदों ने करीब एक मिनट तक नारेबाजी की। इसके बाद वंदे मातरम् के गायन के लिए सभी सांसद खड़े हुए। करीब 3 मिनट 10 सेकेंड में 6 छंदों का गायन पूरा हुआ और इसके तुरंत बाद लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। प्रियंका गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह सिर्फ वंदे मातरम् गाने के लिए सदन में आए। उनका कहना था कि अगर सरकार पहले सदन में आकर बयान देती तो शायद इतना हंगामा नहीं होता। सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले कांग्रेस के कुछ सांसदों ने संसद परिसर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ प्रदर्शन किया। राज्यसभा सांसद पवन खेड़ा ने प्रदर्शन का नेतृत्व किया। उनके हाथ में बंदर का खिलौना था और कुछ अन्य सांसद भी खिलौने लेकर पहुंचे। समाजवादी पार्टी के कुछ सांसद भी इसमें शामिल हुए। करीब 10-15 मिनट बाद प्रदर्शन खत्म हो गया।

सुप्रीम कोर्ट की बनाई गई फर्जी वेबसाइट, कोर्ट ने किया सावधान; मांग सकते हैं ये जानकारी, रहें अलर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने अपनी वेबसाइट की नकल कर बनाई गई एक फर्जी वेबसाइट को लेकर लोगों को सावधान किया है। कोर्ट की ओर से 13 अगस्त को जारी पब्लिक नोटिस में कहा गया है कि sp-court-in.com नाम की वेबसाइट सुप्रीम कोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट जैसी दिखाई जा रही है। इसका इस्तेमाल लोगों से निजी और बैंक से जुड़ी जानकारी हासिल करने के लिए किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट के मुताबिक, साइबर अपराधी फर्जी वेबसाइट के जरिए लोगों को अपने जाल में फंसाकर उनका पासवर्ड, निजी विवरण और बैंक संबंधी जानकारी मांग सकते हैं। ऐसी जानकारी साझा करने से आर्थिक धोखाधड़ी के साथ-साथ व्यक्तिगत डेटा चोरी होने का खतरा है। कोर्ट ने लोगों से अपील की है कि किसी भी ईमेल, मैसेज या वेबसाइट पर भरोसा करने से पहले उसके वेब एड्रेस की अच्छी तरह जांच करें। सुप्रीम कोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट का डोमेन sci.gov.in है। कोर्ट की वास्तविक वेबसाइट पर केस स्टेटस, कॉज लिस्ट, आदेश और अन्य न्यायिक सेवाएं उपलब्ध हैं। कोर्ट ने सलाह दी है कि किसी भी संदिग्ध लिंक को खोलने से पहले यह सुनिश्चित कर लें कि वह आधिकारिक वेबसाइट पर ले जा रहा है या नहीं। खासतौर पर ऐसे लिंक से सावधान रहने की जरूरत है जो सुप्रीम कोर्ट के नाम, लोगो या वेबसाइट के डिजाइन की नकल करते हों।

गौतम बुद्ध नगर के स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के लिए स्क्रीन टाइम की अधिकतम सीमा की गई तय

गौतम बुद्ध नगर। गौतम बुद्ध नगर के स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के स्क्रीन टाइम को लेकर शिकायतें आने के बाद जिलाधिकारी मेधा रूपम ने एक्शन लिया है। डीएम ने स्कूल में बच्चों के स्क्रीन टाइम को लेकर अधिकतम सीमा तय करते हुए दिशानिर्देश जारी किए हैं। पेरेंट्स एसोसिएशन से मिले सुझावों और शिकायतों के बाद कई स्कूलों में स्मार्ट क्लास के माध्यम से पढ़ाई के दौरान छात्र-छात्राओं के मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिए जाने की बात सामने आई थी। विशेष रूप से प्री-लोडेड स्मार्ट बोर्ड/डिजिटल बोर्ड पर पाठ्य-पुस्तकों (Text Book) को सीधे दिखाकर पढ़ाने और क्लास वर्क-होमवर्क आदि के लिए भी डिजिटल स्क्रीन का लगातार उपयोग किया जाना संज्ञान में आया था। जिसके परिणामस्वरूप हर दिन हर छात्र का स्क्रीन टाइम 4 से 5 घंटे हो जा रहा था। इससे विद्यार्थियों की आंखों में थकान, निकट दृष्टि, सिरदर्द, एकाग्रता में कमी और अन्य शारीरिक एवं व्यवहारगत समस्याओं की संभावना बढ़ने का खतरा था। शिकायतों को संज्ञान में लेते हुए छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य एवं सर्वांगीण विकास के दृष्टिगत विद्यालयों में स्मार्ट बोर्ड एवं डिजिटल बोर्ड के सीमित, संतुलित एवं उद्देश्यपूर्ण उपयोग के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि स्मार्ट एवं डिजिटल बोर्ड शिक्षण को अधिक प्रभावी बनाने का सहायक माध्यम हैं, लेकिन इनका लगातार एवं अनावश्यक उपयोग विद्यार्थियों के स्वास्थ्य, अध्ययन, खेलकूद एवं अन्य गतिविधियों को प्रभावित नहीं करना चाहिए। विशेष रूप से पाठ्य-पुस्तकों को लगातार डिजिटल स्क्रीन पर प्रदर्शित कर पढ़ाने के स्थान पर संवादात्मक एवं सहभागितापूर्ण शिक्षण पद्धति अपनाने पर जोर दिया गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन, इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी, इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स तथा एनसीईआरटी (अन्तर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय संस्थानों) द्वारा जारी गाइडलाइंस के अन्तर्गत आयु के अनुसार स्क्रीन उपयोग को सीमित एवं संतुलित किया जाए। प्राथमिक कक्षाओं में स्क्रीन टाइम को न्यूनतम रखते हुए 30 मिनट से अधिक न करने तथा उच्च प्राथमिक कक्षाओं में 60 मिनट से अधिक स्क्रीन उपयोग न होने देने पर विशेष बल दिया गया है।

34 सरकारी स्कूल होंगे धराशायी, 900 करोड़ की लागत से बनेंगे 27 नए स्कूल, दिल्ली सरकार ने क्यों लिया ये बड़ा फैसला

दिल्ली के सभी 1,090 सरकारी स्कूलों की डिजिटल प्रोफाइलिंग पूरी हो चुकी है।

दिल्ली में सरकारी स्कूलों की सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं को बेहतर करने के लिए बड़ा फैसला लिया जा रहा है। यह कदम सभी 1,090 सरकारी स्कूलों की शहरव्यापी डिजिटल प्रोफाइलिंग के बाद उठाया गया है। दिल्ली सरकार 34 सरकारी स्कूलों को ध्वस्त करने की तैयारी में है, जबकि शहर में 27 नए स्कूल भवन बनाए जाएंगे। अधिकारियों के मुताबिक, यह फैसला स्कूलों की सुरक्षा और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी कमियों के आकलन के बाद लिया गया है। अधिकारी ने बताया कि दिल्ली सरकार ने 34 सरकारी स्कूलों को ध्वस्त करने के लिए चिन्हित किया है। इनमें से 16 स्कूलों में ध्वस्तीकरण का काम चल रहा है, जबकि 9 मामलों को मंजूरी मिल चुकी है। कुछ स्कूलों में जलभराव की समस्या है, वहीं कुछ में सुरक्षा संबंधी चिंताएं हैं। कुछ स्कूल ऐसी जगहों पर स्थित हैं, जिन्हें छात्रों के लिए उपयुक्त नहीं माना गया है। खाली प्लॉट पर 27 नए स्कूल भवनों का निर्माण किया जाएगा। इन परियोजनाओं पर करीब 900 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। अधिकारियों के मुताबिक, नए भवनों का निर्माण 18 महीने के भीतर पूरा होने की उम्मीद है। प्रोफाइलिंग पूरी हो चुकी है और शिक्षा विभाग अब मिले डेटा का अध्ययन कर प्रत्येक स्कूल में जरूरी सुधारों की पहचान कर रहा है। अधिकारी के अनुसार, कई स्कूलों में बिजली आपूर्ति, पानी और जर्जर बुनियादी ढांचे से जुड़ी समस्याएं सामने आई हैं। प्रोफाइलिंग के दौरान कक्षाओं और भवनों के स्तर पर स्कूल की संपत्तियों का विस्तृत रिकॉर्ड तैयार किया गया। इसमें साफ-सफाई, पीने का पानी, सुरक्षा व्यवस्था, फर्नीचर, डिजिटल सुविधाएं, रसोई और लैब जैसी चीजें शामिल हैं। स्कूल भवनों के हर कमरे को 360 डिग्री इमेजिंग के जरिए डिजिटल किया गया है। इससे स्कूलों का स्थायी डिजिटल रिकॉर्ड तैयार हुआ है, जिसके जरिए वर्चुअल वॉकथ्रू किया जा सकता है। यह रिकॉर्ड भविष्य की योजना और निर्णय लेने में भी मदद करेगा। इसके अलावा ड्रोन सर्वे, हाई-रिजॉल्यूशन ऑर्थोमोजेक इमेज और जीआईएस (GIS) आधारित विजुअलाइजेशन का इस्तेमाल भी किया जा रहा है। स्कूल भवनों की संरचनात्मक सुरक्षा भी इस प्रक्रिया का अहम हिस्सा है। विशेषज्ञ टीमें विजुअल निरीक्षण के साथ अल्ट्रासोनिक पल्स और रिबाउंड हैमर जैसे नॉन-डिस्ट्रक्टिव टेस्ट कर रही हैं। वैज्ञानिक आकलन के आधार पर स्कूलों को बनाए रखने, मरम्मत, रेट्रोफिटिंग या ध्वस्तीकरण की श्रेणी में रखा जाएगा, ताकि छात्रों और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। शिक्षा निदेशालय (DoE) ने 27 नए स्कूलों के टर्नकी निर्माण के लिए सेंट्रल सरकार की सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों (PSUs) से प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसल्टेंट-कम-EPC एजेंसी की नियुक्ति के लिए बोली आमंत्रित की है। काम तेजी से पूरा करने और निगरानी बेहतर बनाने के लिए 27 साइटों को पांच भौगोलिक क्लस्टर में बांटा गया है।

खरगे ने सदन में उठाया हल्द्वानी के शुद्धिकरण का मुद्दा, नड्डा ने जवाब में कहा- खेद की बात

उत्तराखंड के चमोली में निर्माणाधीन DRT टनल के अंदर मलबा गिरने से बड़ा हादसा, 20 से ज्यादा मजदूर फंसे; 16 किए गए रेस्क्यू

उत्तराखंड के चमोली जिले के पीपलकोटी क्षेत्र में टीएचडीसी की सहायक कंपनी एचसीसी के निर्माणाधीन DRT टनल के अंदर मलबा गिरने से एक बड़ा हादसा हो गया है, जिसमें 20 से अधिक मजदूर सुरंग के भीतर फंस गए। दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और SDRF की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और युद्ध स्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। राहत और बचाव कार्य के दौरान, अब तक 16 मजदूरों को सुरंग से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है, जबकि बाकी फंसे हुए मजदूरों को बाहर निकालने का काम तेजी से जारी है। सुरक्षित बचाए गए सभी मजदूरों को इलाज के लिए जिला अस्पताल गोपेश्वर ले जाया गया है। जिला प्रशासन की तरफ से बताया गया कि घटना की जानकारी मिलते ही जिला मजिस्ट्रेट गौरव कुमार तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्यों की लगातार निगरानी कर रहे हैं। अब तक सुरंग में फंसे 16 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है, जबकि बाकी मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए बचाव अभियान जारी है। इससे पहले चमोली के जिला मजिस्ट्रेट गौरव कुमार ने बताया कि यह THDC के हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट के लिए बन रही एक सुरंग है। शाम करीब 6:30 या 6:45 बजे, सुरंग में भारी मात्रा में मलबा और पानी भर गया। उस वक्त ड्यूटी पर मौजूद कर्मचारी अंदर फंस गए। अब तक करीब 14 या 15 लोगों को बचाया जा चुका है। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि वे खुद वरिष्ठ अधिकारियों से निरंतर संपर्क में हैं।

संसद के मानसून सत्र का आज आखिरी दिन है। राज्यसभा में विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच गहमागहमी हुई। राज्यसभा की कार्रवाही शुरू होते ही कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने उत्तरखांड के हल्द्वानी में भाषण के बाद हुए शुद्धिकरण का मुद्दा उठा दिया। भाजपा से जेपी नड्डा ने खरगे के शुद्धिकरण के आरोपों का राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, 'मैं हल्द्वानी में था, जहां मैंने रामलीला मैदान में एक जनसभा को संबोधित किया। वहां लाखों लोग मौजूद थे। उस समय मैंने किसी समुदाय या धर्म का नाम नहीं लिया। मैंने केवल सरकार से जुड़े मुद्दों को दोहराया। लेकिन मेरे भाषण के बाद, बीजेपी के लोगों ने उस मंच को 'शुद्ध' करने के लिए वहां हवन किया। क्या लोकतंत्र में ऐसा होता है? आप संविधान की रक्षा कैसे कर रहे हैं? मैं विपक्ष का नेता हूं।' जवाब दिया है। राज्यसभा में सदन के नेता और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे को जवाब देते हुए कहा, 'खरगे जी ने जो कहा वह वाकई दुखद है। न सिर्फ कांग्रेस पार्टी के लिए बल्कि हम सभी के लिए दुखद है। बीजेपी ऐसी गतिविधियों का समर्थन नहीं करती है। कभी नहीं करती है। लेकिन हम इसकी जांच करेंगे। मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि वहां जो कुछ भी हुआ, उसकी निश्चित रूप से जांच की जाएगी।

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक प्रदीप सिंह के लिए मुद्रक ताराचन्द कुमावत महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नं 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर - 302012 (राजस्थान) से मुद्रित व 1053, सोसाइटी नगर, शहीद भगत सिंह कॉलोनी, पाली, राजस्थान - 306401 (राजस्थान) से प्रकाशित (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा) समाचार चयन के लिए पी.आर.पी. एक्ट के तहत जिम्मेदार I RNI No. - RJMUL/26/A4290 प्रबंध सम्पादक - प्रदीप सिंह, मो . 9983831415